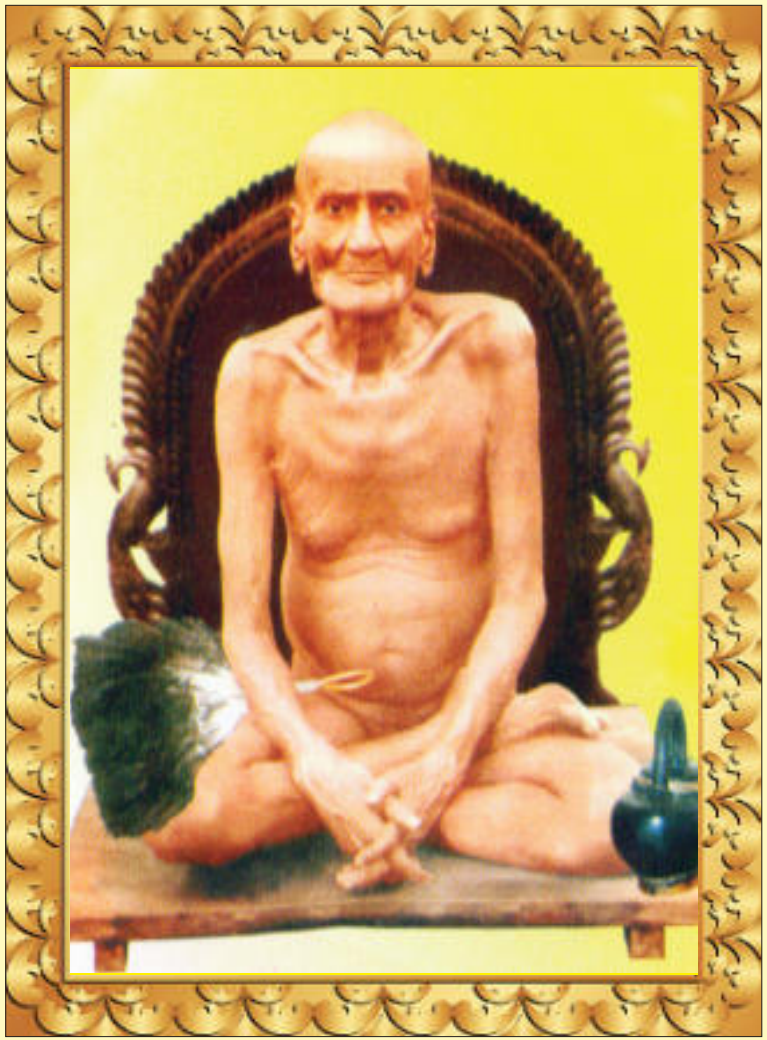

समाधिस्थ आचार्य १०८ श्री शांतिसागर जी महाराज (दक्षिण)

भारी प्रभाव मुझ पै तब भारती का,
देखो पड़ा इसलिये मुनि हूँ अभी का ।। 33 ।।

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शांतिसागर जी महाराज (दक्षिण)

पूर्व का नाम	:	श्री सातगौड़ा पाटील (जैन)
पिता का नाम	:	श्री भीमगौड़ा जी पाटील (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सत्यवती जी (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	(१) श्री आदिगौड़ा (२) श्री देवगौड़ा (३) आपका क्रम (४) श्री कुम्भगौड़ा (५) श्रीमती कृष्णा बाई
जन्म दिनाँक/दिन/तिथि/दिन/ स्थान	:	२५/७/१८७२ बुधवार, आषाढ़ शुक्ल षष्ठी, वि.सं.१९२९ रात्रि, येरगुल (नाना के घर), येरगुल बेलगांव कर्नाटक (भोजग्राम के समीप)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०६-१९१३, शुक्रवार, ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी वि.सं. १९७२, उत्तूर ग्राम, तहसील सुधोल जिला- बागलकोट (कर्नाटक)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०१-१९१६ शनिवार, पौष शुक्ल १४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनारजी, जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२-३-१९२० मंगलवार, फाल्गुन शुक्ल, चतुर्दशी, वि.सं. १९७६, यरनाल, बेलगांव (कर्नाटक)
दीक्षा गुरु	:	मुनि श्री देवेन्द्रकीर्ति जी महाराज
आचार्य पद दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	८-१०-१९२४ बुधवार अश्विन शुक्ल एकादशी वि.सं. १९८१, समडोली, जिला-सांगली (महा.)
समाधि दिनांक/दिन/तिथि/समय /स्थान	:	१८-०९-१९५५, रविवार, द्वितीयभाद्रपद शुक्ल २, वि.सं. २०१२, प्रातः ६.५० पर , श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुन्थलगिरी, उस्मानाबाद (महा.)

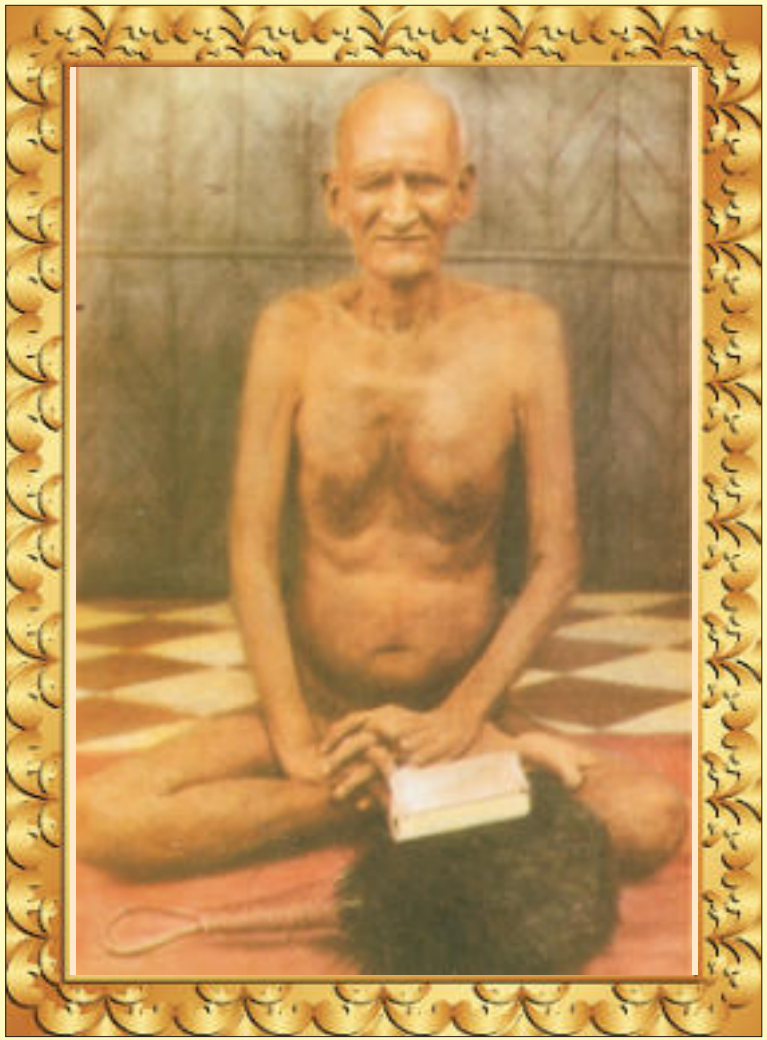

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ वीरसागर जी महाराज

छी वीरसागर सुभाष-सरोज बन्धु।
मैं बार-बार तव-पाद पयोज वदुँ।।

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ वीरसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री हीरालाल जी गंगवाल (जैन)
पिता का नाम	:	श्री रामसुख जी गंगवाल (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती भागूबाईजी (भाग्यवतीबाई) (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान	:	आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, वि.सं. १९३३, सन् १८७६ ईरगांव (औरंगाबाद) महाराष्ट्र
क्षुल्लक दीक्षा तिथि/स्थान	:	०८-०३-१९२४ शनिवार, फाल्गुन शुक्ल तृतीया वि.सं. १९८०, कुम्भोज बाहुबली, कोल्हापुर (महा.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	दीक्षा नहीं ली।
मुनि दीक्षा तिथि/स्थान	:	आश्विन शुक्ल एकादशी, वि.सं. १९८१ ०८-१०-१९२४, समडोली, सांगली (महाराष्ट्र)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज (दक्षिण)
आचार्य पद दिन/तिथि/दिन/ स्थान	:	०८-०९-१९५५, द्वितीय भाद्रपद कृष्ण सप्तमी, वि.सं. २०१२, गुरुवार श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानियाजी) जयपुर (राजस्थान)
समाधि दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२३-९-१९५७, सोमवार, आषाढ़ कृष्ण अमावस्या, वि.सं. २०१४, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानिया जी), जयपुर (राजस्थान)

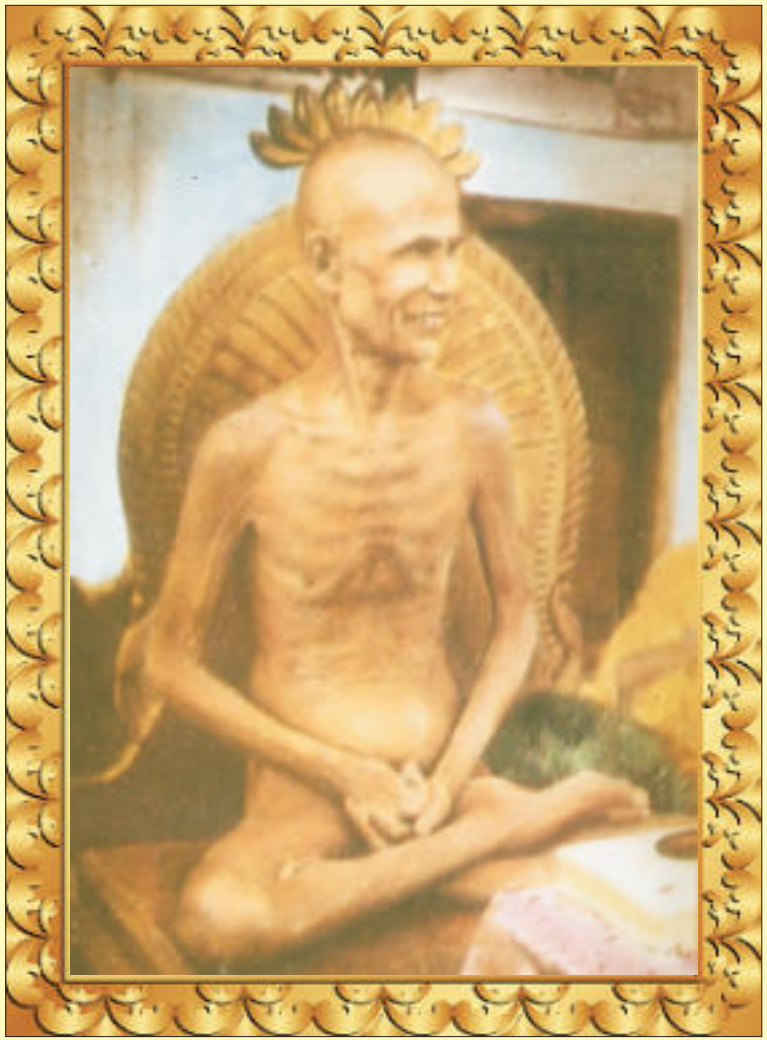

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शिवसागर जी महाराज

ये है मुनि 'आचार्य' हमारे पूज्य-पाद पालक प्यारे।
ध्यान इन्हीं का करें रात-दिन विनीत हम बालक सारे।।५२।।

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ शिवसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री हीरालाल जी रावका (जैन)
पिता का नाम	:	श्री रामसुख जी रावका (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती दगड़ाबाई जी (जैन)
भाई-बहिन (जन्म के क्रम से)	:	तीन भाई, दो बहिन
जन्म तिथि/स्थान	:	वि.सं. १९५८, सन् १९०१, अड़गाँव, तहसील औरंगाबाद (महा.)
क्षुल्लक दीक्षा तिथि/स्थान	:	वि.सं. २०००, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट, जिला-खरगौन (म.प्र.)
ऐलक दीक्षा	:	दीक्षा नहीं ली।
मुनि दीक्षा तिथि/स्थान	:	१४-०७-१९४९, बुधवार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी, वि.सं. २००६, नागौर (राजस्थान)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज
आचार्य पद तिथि/स्थान	:	०३-११-१९५७, रविवार, कार्तिक शुक्ल एकादशी, वि.सं. २०१४, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि (खानियाजी) जयपुर (राजस्थान)
समाधि दिनाँक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०२-१९६९, रविवार, फाल्गुन कृष्ण अमावस्या, वि.सं. २०२५, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, करौली (राजस्थान)

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ ज्ञानसागर जी महाराज

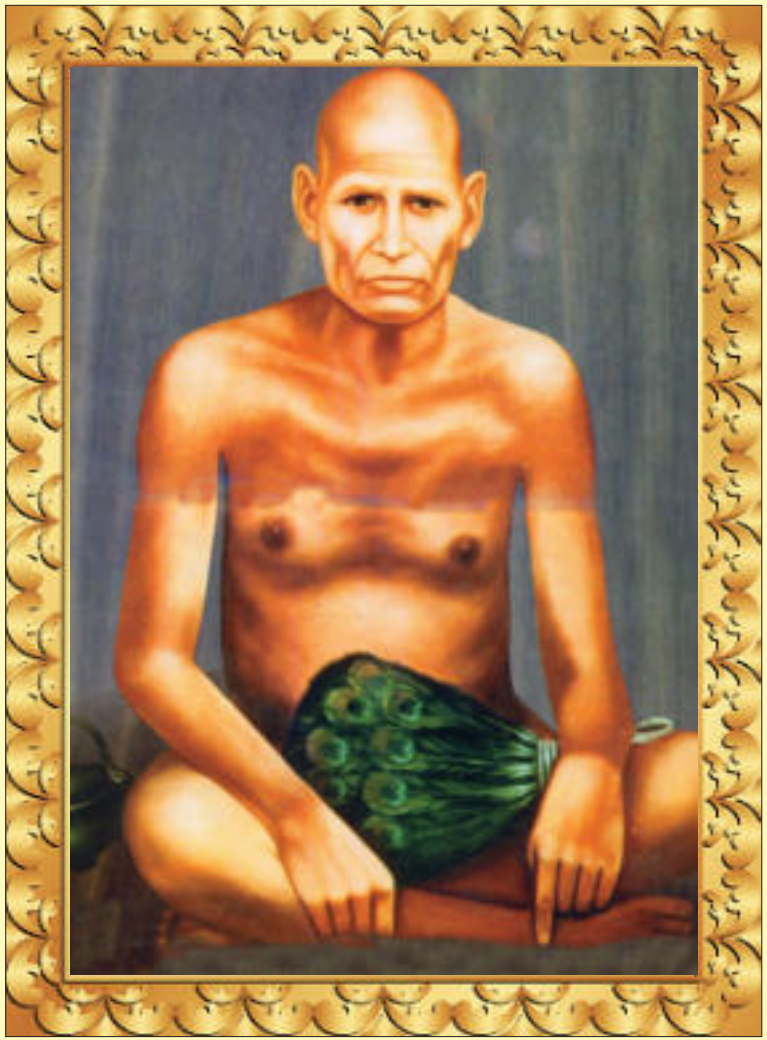

समाधिस्थ आचार्य श्री १०८ ज्ञानसागर जी महाराज

जय हो ज्ञान सागर ऋषिराज!
तुमने मुझे सफल बनाया आज।।

पूर्व का नाम	: पं. श्री भूरामल जी जैन छाबड़ा (शांतिकुमार भी था)
पिता का नाम	: श्री चतुर्भुज जी छाबड़ा (जैन)
माता का नाम	: श्रीमती घृतवरी जी छाबड़ा (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	: १) श्री छगनलाल २) आपका क्रम ३) श्री गंगाप्रसाद जी ४) श्री गौरीलाल जी ५) श्री देवीलाल जी
तिथि/दिन	: २४-०८-१८९७ भाद्र पद कृष्ण ११, वि.सं. 1954
स्थान/समय	राणोली, जिला-सीकर (राजस्थान)
शिक्षा	: प्रारंभिक शिक्षा गांव के विद्यालय में, शास्त्री-संस्कृत साहित्य एवं जैन दर्शन की उच्च स्तर की शिक्षा स्याद्वाद महाविद्यालय बनारस में
ब्रह्मचर्य व्रत	: २६-०६-१९४७, वि.सं. २००४
सातवीं प्रतिमा	: आषाढ़ शुक्ल ८ वि.सं. २००४ ई.सन् २६-०६-१९४७ अजमेर में आ. श्री वीर सागर जी से
क्षुल्लक दीक्षा	: वैशाख कृष्ण तृतीया, वि.सं. २०१२, २५-०४-१९५५ अक्षय तृतीया
क्षुल्लक दीक्षा गुरु	के दिन मन्सूरपुर, मुजफ्फर नगर (उ.प्र.) :
नामकरण	: क्षुल्लक श्री ज्ञानभूषण जी महाराज
ऐलक दीक्षा तिथि	: सन् १९५७, वि.सं. २०१४
दीक्षा गुरु	: आचार्य श्री देशभूषण जी महाराज से
मुनि दीक्षा	: २२-०६-१९५९ सोमवार, आषाढ़ कृष्ण २ में वि.सं. २०१६
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	श्री दिगम्बर जैन क्षेत्र खानियाजी, जयपुर (राज.)
दीक्षा गुरु	: आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज (के प्रथम शिष्य के रूप में)
आचार्य पद	: ०७-०२-१९६९, शुक्रवार, फाल्गुन वदी ५, वि.सं. २०२५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	नसीराबाद, अजमेर (राजस्थान)
चारित्र चक्रवर्ती पद	: २० अक्टूबर १९७२, नसीराबाद में क्षु. श्री स्वरूपानंद जी की दीक्षा के समय।
आचार्य पद त्याग	: मार्गशीर्ष कृष्ण द्वितीया, २२ नवम्बर १९७२ नसीराबाद अजमेर, (राज.)
समाधि	: ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या, वि. सं. २०२३, १ जून १९७३ शुक्रवार को प्रात: १०:५० मिनट पर नसीराबाद अजमेर, (राज.)।
दीक्षित शिष्यगण	: आचार्य श्री विद्यासागर जी, आ. कल्प विवेकसागर जी, क्षुल्लक श्री विजयसागर जी, क्षु. श्री आदिसागर जी, क्षु.श्री स्वरूपानंद जी, एलक श्री सन्मतिसागर जी, क्षु. श्री सुखसागर जी, क्षु. श्री संभवसागर जी महाराज थे।
साहित्य सृजन	: संस्कृत ग्रंथ - महाकाव्य - जयोदय (दो भाग), वीरोदय, सुदर्शनोदय, भद्रोदय, दयोदय (चम्पू काव्य), मुनि मनोरंजनाशीति (मुक्तक काव्य) ऋषि कैसा होता है ? (मुक्तक काव्य), सम्यक्त्वसार शतक, प्रवचनसार प्रतिरूपक, शांतिनाथ पूजन विधान। हिन्दी ग्रंथ-ऋषभावतार, गुणसुन्दर वृतान्त, भाग्योदय जैन विवाह विधि, तत्वार्थसूत्र टीका, कर्त्तव्यपथ प्रदर्शन विवेकोदय, सचित्त विवेचन, सचित्त विचार, देवागम स्तोत्र पद्यानुवाद नियमसार, अष्टपाहुड, पवित्र मानव जीवन, स्वामी कुंदकुंद और सनातन जैन धर्म, इतिहास के पन्ने, मानव धर्म, समयसार तात्पर्य वृत्ति टीका।

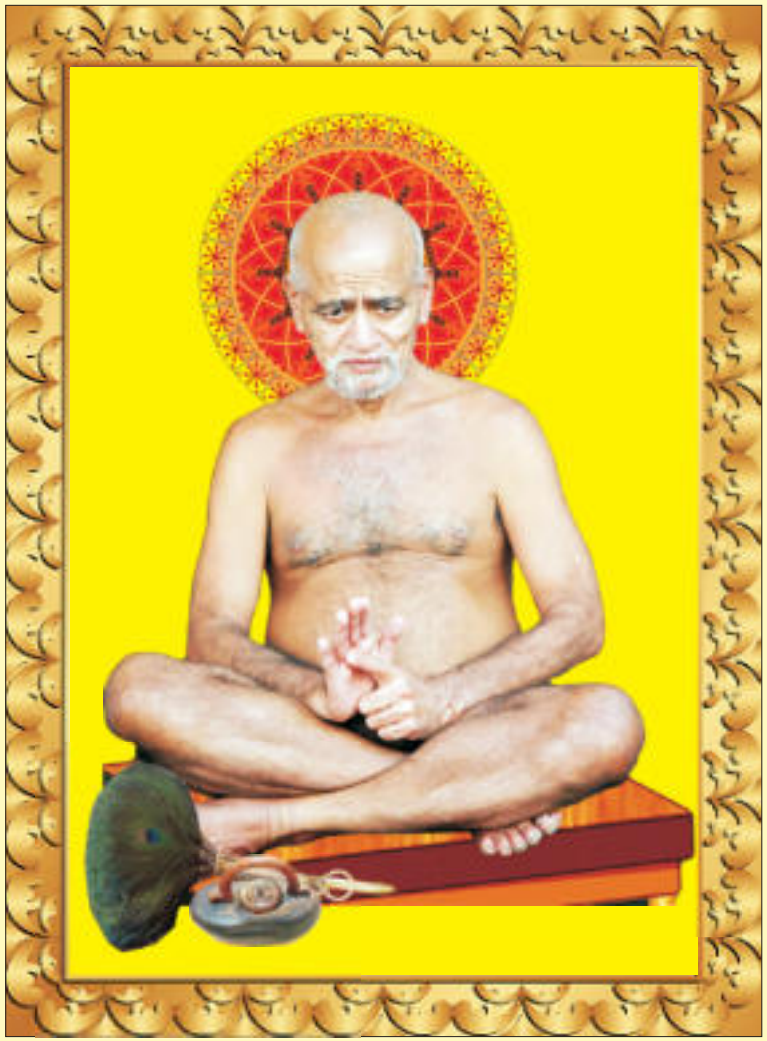

राष्ट्रहित चिंतक बालब्रह्मचारी संघनायक

आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

बाबा बड़े बड़ी कृपा, की मुझ पे आदीश।
पूर्ण हुई मम कामना, पाकर जिन आशीष ।।

प. पू. आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बालब्रह्मचारी विद्याधर जी जैन (अष्टगे गोत्र)
पिता का नाम	:	श्री मल्लप्पाजी जैन अष्टगे गौत्र (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी)
माता श्री	:	श्रीमति श्रीमंतीजी (समाधिस्थ आर्यिका श्री समयमतिजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीरप्रसाद (गृहस्थावस्था में) २) आपका क्रम ३) बा.ब्र. बहिन शांता जी ४) बा.ब्र. बहिन स्वर्णा जी ५) बा.ब्र. अनन्तनाथ (वर्तमान में निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी) ६) बा.ब्र. शान्तिनाथ (वर्तमान में निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	आश्विन शुक्ल १५, (शरद पूर्णिमा), संवत् २०२३ दि. १०-१०-१९४६, गुरुवार, रात्रि ११.३० बजे सदलगा, चिक्कौड़ी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा	:	९ वीं कक्षा (कन्नड़ से)
मातृभाषा	:	कन्नड
अन्य भाषा	:	मराठी, हिन्दी, अंग्रेजी, प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत आदि
ब्रह्मचर्य व्रत	:	सन् १९६६ में, आचार्य श्री देशभूषणजी महाराज से
सातवीं प्रतिमा	:	आचार्य श्री देशभूषण जी से सन् १९६६ में श्रवण बेलगोला हासन (कर्नाटक)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३० जून १९६८, रविवार, आषाढ़ शुक्ल ५, वि.सं. २०२५ अजमेर (राज.)
दीक्षा गुरु	:	महाकवि आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज
आचार्य पद दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२२-११-१९७२ बुधवार, मार्ग शीर्ष कृष्ण २, वि.सं. २०२९, नसीराबाद (राज.) में महाकवि आचार्य श्री ज्ञान सागर जी ने अपना आचार्य पद प्रदान किया।
दीक्षित शिष्य	:	बाल ब्रह्मचारी १३० मुनि, १७२ आर्यिकाएँ, २१ एलक,१४ क्षुल्लक, ३ क्षुल्लिका, (दीक्षा ०७ अप्रैल २०२१ तक) बा.ब्र. भाई १००० से अधिक, बा.ब्र. बहिनें १००० से अधिक (प्रतिभामंडल की बहिनें)

आचार्य श्री के विशेष त्याग - नमक, मीठा सन् 1969 से, चटाई सन् 1985 से (आहारजी), हरी फल साग सन् 1994 (रामटेक से), 9 उपवास लगातार (मुक्तागिरी सन् 1990 में)।

आचार्य श्री विद्यासागर जी के प्रेरणा/मार्गदर्शन, सान्निध्य में प्रभावक कार्य

- मूकमाटी मीमांसा (भाग 1,2,3) लगभग 283 संस्कृत, हिन्दी जैन-जैनेतर विद्धानों के लेख जो भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित हो चुकी हैं।
- मूकमाटी पर 4 डी. लिट ., 50 पी.एच.डी., 8 एम.फिल., 2 एम.एड. तथा 6 एम.ए. आदि पर शोधप्रबंध लिखे जा चुके हैं, मूकमाटी के मराठी, अंग्रेजी, बंगला, कन्नड़, गुजराती में अनुवाद हुये हैं/हो रहे हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी के द्वारा रामटेक में मूकमाटी के उर्दू अनुवाद का विमोचन हुआ था।
- पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील जी के द्वारा 14-06-2012 को राष्ट्रपति भवन में 'द साइलेंट अर्थ मूकमाटी' के अंग्रेजी अनुवाद का विमोचन हुआ था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा भोपाल में मूकमाटी के गुजराती अनुवाद का विमोचन हुआ था।
- आचार्यश्री का साहित्य अनेक विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हो चुका है/कई जगह प्रक्रिया चल रही हैं।
- जबलपुर-जयपुर ट्रेन का नाम ''दयोदय एक्सप्रेस'' हुआ था।
- श्री दि. जैन सिद्ध क्षेत्र (बड़े बाबा का मंदिर) कुण्डलपुर जिला - दमोह (म.प्र.)
- नव निर्माण श्री समवशरण दि. जैन मंदिर सिलवानी जिला - रायसेन (म.प्र.)
- बिलासपुर में मंदिर निर्माण। शीतलधाम, हबीबगंज, पटनागंज, रहली, बीना बारहा, कोनी जी, बहोरीबंद, पनागर, थूवोन जी, ईशुरवारा का विकास।
- श्री पार्श्वनाथ मंदिर तेंदूखेड़ा (पाटन) में मार्बल का प्रथम चौबीसी जिन मंदिर।
- श्री दिग. जैन ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली (राज.)
- श्री दिग. जैन पुण्योदय तीर्थक्षेत्र (हरियाणा)
- श्री दिग. जैन महावीर धाम रायपुर (छ.ग.)
- श्री दिग. जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर (राज.)
- श्री विद्यासागर बी.एड. कालेज विदिशा (म.प्र.)
- श्री शांति विद्या छात्रावास उमरगा (महा.)
- श्री पार्श्वनाथ दिग. जैन गुरुकुल हैदराबाद (आ.प्र.)
- पूर्णायु आयुर्वेदिक चिकित्सालय जबलपुर (म.प्र.)
- प्रतिभास्थली पंचम शाखा, इंदौर (म.प्र.) प्रतिभास्थली ललितपुर (उ.प्र.)
- श्री नंदीश्वर दीप पिसनहारी मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
- श्री शांतिनाथ दिग. (चौबीसी एवं पंचबालयति) जैन मंदिर, रामटेक जिला नागपुर (महा.) एवं प्रतिभास्थली तृतीय शाखा एवं परवारपुरा, नागपुर में पाषाण मंदिर का निर्माण।
- श्री सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र (त्रिकाल चौबीसी एवं पंचबालयति), नेमावर, तह. खातेगांव, जिला - देवास (म.प्र.)
- श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र चंद्रगिरि डोंगरगढ़ (म.प्र.), त्रिकाल चौबीसी एवं (प्रतिभास्थली द्वितीय शाखा)
- श्री ''सर्वोदय तीर्थ'' दि. जैन मंदिर अमरकंटक, जि. अनूपपुर (म.प्र.) (नवीन तीर्थ)
- श्री ''भाग्योदयतीर्थ'' (मानव सेवा एवं शिक्षा) फार्मेसी कालेज, नर्सिंग कालेज, सागर (म.प्र.)
- श्री शांतिनाथ दि. जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र बीनाबारह, देवरी, जिला- सागर (म.प्र.) में शांतिधारा दुग्ध योजना 500 गाय का पालन, हथकरघा प्रशिक्षण।
- हथकरघा प्रशिक्षण केन्द्र विकास व स्वरोजगार, प्रतिभा प्रतिक्षा (कन्या आवासीय विद्यालय) 'अनुशासन' नाम से दिल्ली में बालकों का प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, पूरी मैत्री स्वरोजगार योजना इंदौर एवं जबलपुर।
- पपौरा जी तीर्थक्षेत्र प्रतिभास्थली चतुर्थ शाखा।
- श्री दिगम्बर जैन मंदिर पाषाण जिनालय रामपुरा एवं गोपालगंज सागर (म.प्र.)
- श्री दिगम्बर जैन समवशरण मंदिर ''शीतलधाम, हरीपुरा'' विदिशा (म.प्र.)
- श्री दि. जैन चौबीसी मंदिर टड़ा, जिला - सागर (म.प्र.)
- श्री दयोदय तीर्थ एवं प्रतिभा स्थली प्रथम शाखा (शिक्षा संस्कार के लिए) तिलवारा घाट, जबलपुर (म.प्र.)
- भारतवर्षीय प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थान (विभिन्न पदों की कोचिंग) जबलपुर (म.प्र.)
- आचार्य श्री विद्यासागर जी 'शोध संस्थान' भोपाल (म.प्र.)
- सुप्रीम कोर्ट से 7 जजों की बैंच से ऐतिहासिक गौ वध पर प्रतिबंध का फैसला हुआ।
- बैलों की रक्षा एवं गरीबों को रोजगार हेतु ''दयोदय जहाज'' का गंजबासौदा एवं विदिशा में वितरण।
- म.प्र. सरकार द्वारा पूरे म.प्र. में 'आचार्य विद्यासागर जी गौ संवर्द्धन योजना' लागू।
- पूरे देश में लगभग135 गौशालाओं में1,00,000 पशुओं का संरक्षण।
- पूरे देश में लगभग 350 पाठशालाओं में 40,000 बच्चों को धर्म की शिक्षा।
- ''ब्राह्मी विद्या आश्रम'' मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
- www.vidyasagar.net, vidyasagar.guru इन Site पर सभी जानकारी उपलब्ध।

60 से अधिक पंच कल्याणक, अनेक विधान आदि, कुण्डलपुर के बड़े बाबा का नये मंदिर में विहार (जैन समाज का ऐतिहासिक कार्य) उपराष्ट्रपति श्री भैरौसिंह शेखावत से अमरकंटक में चर्चा, प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी से गोम्टगिरि इन्दौर में चर्चा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से 14-10-2016 को भोपाल में चर्चा, केन्द्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गांधी से जबलपुर में चर्चा, अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष से कुण्डलपुर में चर्चा, सुमित्रा महाजन, लोकसभा अध्यक्ष से (कुण्डलपुर) 2016 में चर्चा, अनेकों मुख्यमंत्रियों से चर्चा, श्री दिग्विजय सिंह, सुश्री उमाभारती, श्री शिवराज सिंह चौहान, श्री सुन्दरलाल पटवा, श्री बाबूलाल गौर, अशोक गहलोत, अजीत योगी, डॉ. रमन सिंह आदि से चर्चा, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से चर्चा विदिशा में, विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी से चर्चा, राजस्थान के राज्यपाल श्री निर्मल चन्द्रजी जैन (जबलपुर) म.प्र. के राज्यपाल डॉ. बलराम जाखड़ से जबलपुर में, श्रीमती सुषमा स्वराज से सागर में चर्चा एवं अनेक केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के जजों, हाईकोर्ट के जजों, आयोग अध्यक्षों एवं विशिष्ट पदों वाले व्यक्तियों से चर्चा के दौरान अनेक धार्मिक प्रभावना के कार्य हुए और अनेक संतों से आचार्य श्री की चर्चायें हुई। राजनेता, चिंतक, विचाक, साहित्यकार, शिक्षाविद्, न्यायाधीश, धर्माचार्य, डॉक्टर, संपादक, अधिवक्ता, जिलाधीश, पुलिस अधीक्षक, कुलपति आदि ने मार्गदर्शन प्राप्त किया। आचार्य श्री के म.प्र., उ.प्र., महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार आदि राज्यों में प्रवास से अत्यंधिक प्रभावना हुई।

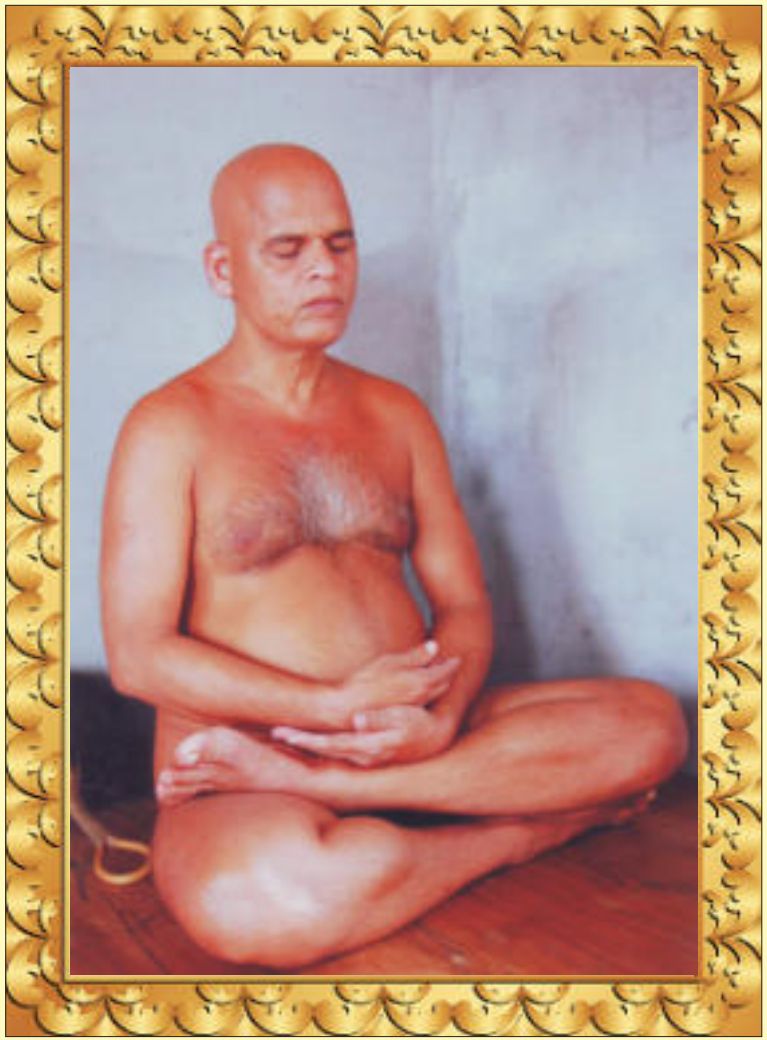

निर्यापक मुनि श्री १०८ समयसागर जी महाराज

मुक्ति वधु को पाने हेतु, भेष दिगम्बर को धारा।
रत्नत्रय के आभूषणों से, तुमने निज को शृंगारा।।

प. पू. निर्यापक मुनि श्री १०८ समयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र.श्री शांतिनाथ जी जैन (अष्टगे) (सुकमाल)
पिता का नाम	:	श्री मलप्पाजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी महाराज)
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमंतिजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ आर्यिका समयमति माताजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीरजी, २) बा.ब्र. विद्याधरजी (वर्तमान में आ.श्री विद्यासागर जी) ३) ब्र.बहिन शांताजी, ४) ब्र. बहिन सुवर्णाजी ५) बा.ब्र. अनंतनाथजी (मुनिश्री योगसागरजी) ६) आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान*/समय	:	२७-१०-१९५८, सोमवार (शरद पूर्णिमा), आश्विन शुक्ल पूर्णिमा, २०१५, सदलगा, बेलगांव (कर्नाटक) समय दोपहर - २ से २.३० बजे के बीच
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल (मराठी से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०५-१९७५, शुक्रवार, वैशाख कृष्ण सप्तमी वि.सं. २०३२, श्री दिग. जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र सोनागिर, दतिया (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-१०-१९७८, मंगलवार, कार्तिक कृष्ण, अमावस्या, दीपावली, वि.सं. २०३५, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरि, छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०८-०३-१९८०, शनिवार, चैत्र कृष्ण ६, वि.सं. २०३६ श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	२८-११-२०१८, बुधवार, मार्गशीर्ष कृष्ण षष्ठी वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७५ गौशाला ललितपुर (उ.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महा.
विशेष	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज एवं निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी महाराज आप तीनों गृहस्थ जीवन के सगे भाई हैं एवं आप तीनों के गृहस्थ जीवन के माता-पिता भी आचार्य श्री धर्मसागरजी से दीक्षित हुए थे।

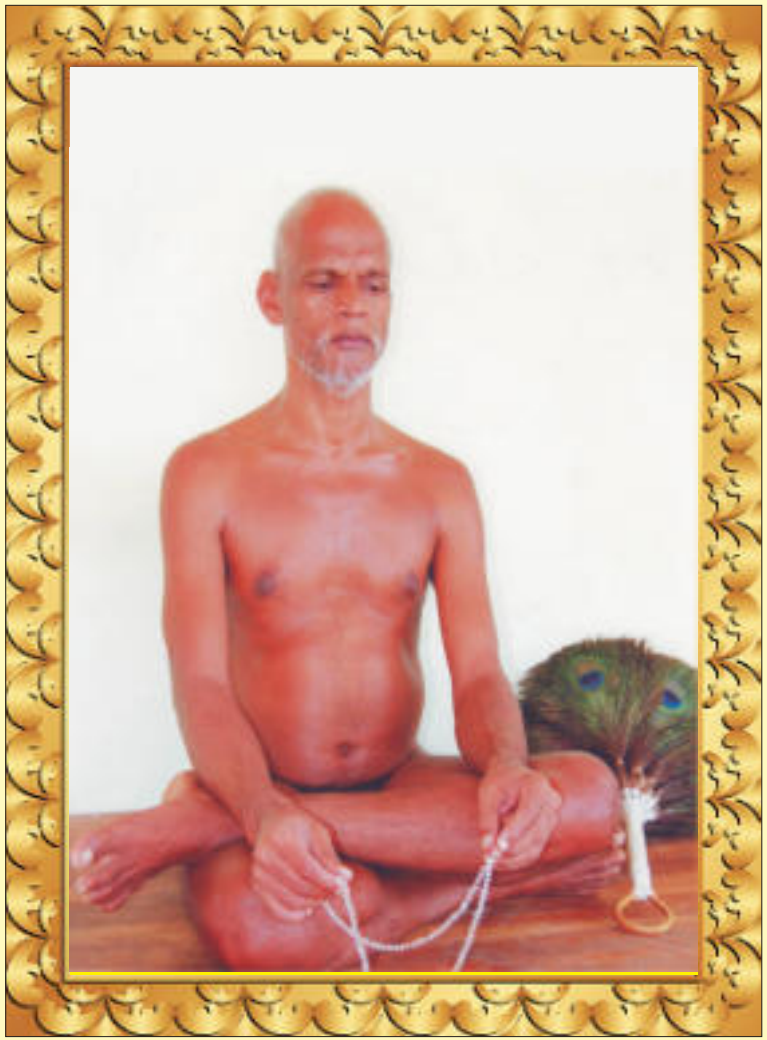

निर्यापक मुनि श्री १०८ योगसागर जी महाराज

स्वर्ण बने वह कोयला, और कोयला स्वर्ण।
पाप पुण्य का खेल है, आतम में ना वर्ण।।

निर्यापक मुनि श्री १०८ योगसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्री अनंतनाथ जी जैन (अष्टगे)
पिता का नाम	:	श्री मलप्पा जी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ मुनि श्री मल्लिसागरजी महाराज)
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीमंतीजी जैन (अष्टगे) (समाधिस्थ आर्यिका समयमति माताजी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) श्री महावीरजी, २) बा.ब्र. विद्याधरजी (वर्तमान में आ.श्री विद्यासागर जी) ३) ब्र. बहिन शांताजी, ४) ब्र. बहिन सुवर्णाजी ५) आपका क्रम ६) श्री शांतिनाथजी (वर्तमान में मुनिश्री समयसागरजी)
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१३-०९-१९५६, गुरुवार, भाद्रपद शुक्ल नवमीं, वि.सं. २०१३, दोप. १२ बजे, सदलगा, बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाई स्कूल (मराठी माध्यम से)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०२-०५-१९७५, शुक्रवार, वैशाख कृष्ण सप्तमी वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी (राज.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०३२, श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र सोनागिर, दतिया (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-११-१९७७, सोमवार, कार्तिक शुक्ल नवमीं,वि.सं. २०३४, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०४-१९८०, मंगलवार, वैशाख कृष्ण अमावस्या, वि.सं. २०३७, मोराजी सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	०८-०३-२०१९, रविवार, फाल्गुन कृष्ण १२ वी. नि. सं. २५४५, वि.सं. २०७५, श्री १००८ शांतिधाम, श्री शांतिनाथ दिग. जैन अतिशय क्षेत्र बीना बारहा तहसील देवरी जिला-सागर (म.प्र.)
निर्यापक पद प्रदाता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज, निर्यापक मुनि श्री समयसागर जी महाराज एवं निर्यापक मुनि श्री योगसागर जी महाराज आप तीनों गृहस्थ जीवन के सगे भाई हैं एवं आप तीनों के गृहस्थ जीवन के माता-पिता एवं दोनों बहिनें भी आचार्य श्री धर्मसागरजी से दीक्षित हुए थे।

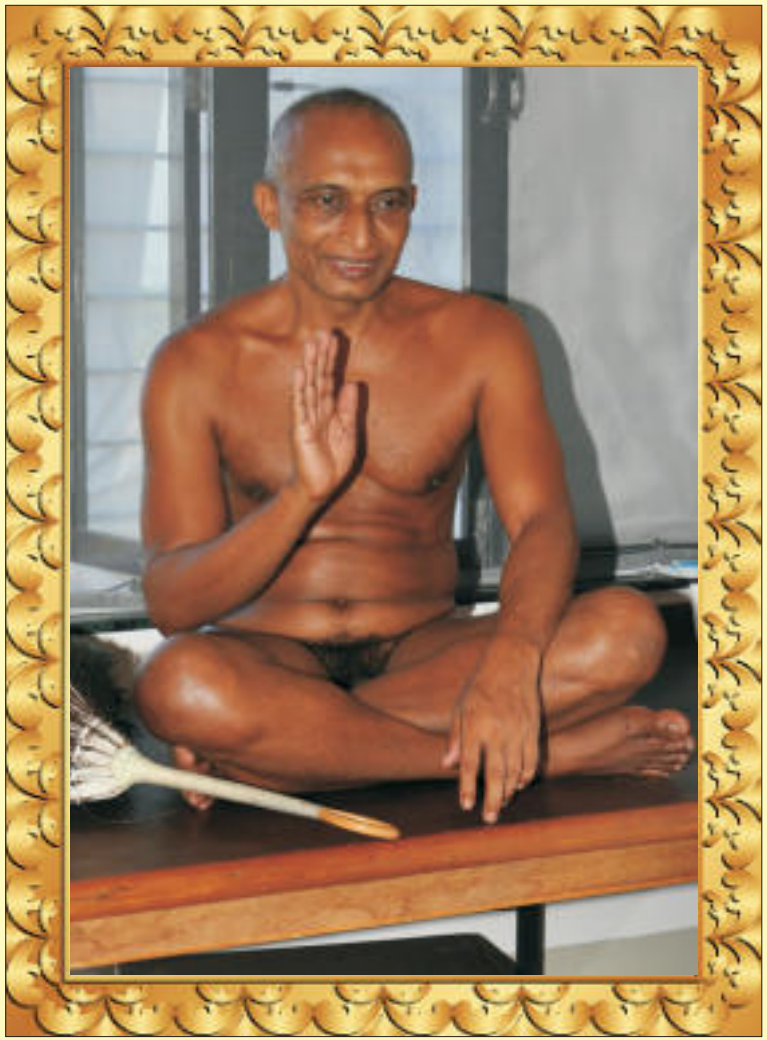

निर्यापक मुनि श्री १०८ नियमसागर जी महाराज

धूप और छाँव का मेल है जिंदगी।
बहते हुए जल का रेला है जिंदगी ।।

निर्यापक मुनि श्री १०८ नियमसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महावीर जी प्रधाने (जैन)
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी प्रधाने (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सोनाबाई जी (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१) आपका क्रम २) श्री जिनप्पा जी ३) श्री आदिनाथ जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०५-१९५७, बुधवार, वैशाख शुक्ल द्वितीया वि.सं. २०१४, सदलगा, बेलगाम (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पी.यू.सी. (हायर सेकेण्डरी) (कन्नड़)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	जनवरी, १९७५, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर राजस्थान
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-१२-१९७५, गुरुवार, मार्गशीर्ष शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०३२, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिरि जी, दतिया (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-१०-१९७८, बुधवार, आश्विन शुक्ल १० वि.स. २०३५, दशमी (दशहरा) श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिर जी छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०४-१९८०, मंगलवार, वैशाख कृष्ण अमावस्या वि.सं. २०३७, मोराजी सागर, जिला सागर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	१४-०७-२०१९, आषाढ़ शुक्ल १३, रविवार वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७६ श्री दिग. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, तहसील खातेगांव जिला देवास (म.प्र.)
निर्यापक पद घोषणाकर्ता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके द्वारा प्रसिद्ध कृतियों का संस्कृत, हिन्दी में सृजन हुआ है। अनेक पंचकल्याणक, विधान, वेदी शिलान्यास, मंदिर निर्माण हुए, पाठशाला, शिविर के आयोजन हुए एवं अनेक प्रभावक कार्य हुए।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ क्षमासागर जी महाराज

छाया, माया, देह का, मत करना विश्वास।
क्षणभंगुर है ये सभी विद्युत, विभा, विलास।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ क्षमासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. वीरेन्द्र कुमार जी जैन (सिंघई)
पिता का नाम	:	श्री जीवनलाल जी जैन (सिंघई)
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती आशा देवी जी जैन (सिंघई)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री संतोष जी २. श्री अरूण जी ३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-०९-१९५७, शुक्रवार, आश्विन कृष्ण11 वि.सं. २०१४ जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.टेक.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०१-१९८०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
छुल्लक छीक्षा		१०-११-१९८०, माघ कृष्ण ८, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-११-१९८० कार्तिक कृष्ण ३० (दीपावली) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०८-१९८२, भाद्र शुक्ल २, शुक्रवार, वि.सं. २०३९ जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि दिनांक, दिन तिथि, स्थान	:	१३ मार्च २०१५ दिन शुक्रवार चैत्र कृष्ण ७ ज्येष्ठा नक्षत्र वि.सं. २०७१ प्रात: ५ बजे सागर (म.प्र.)

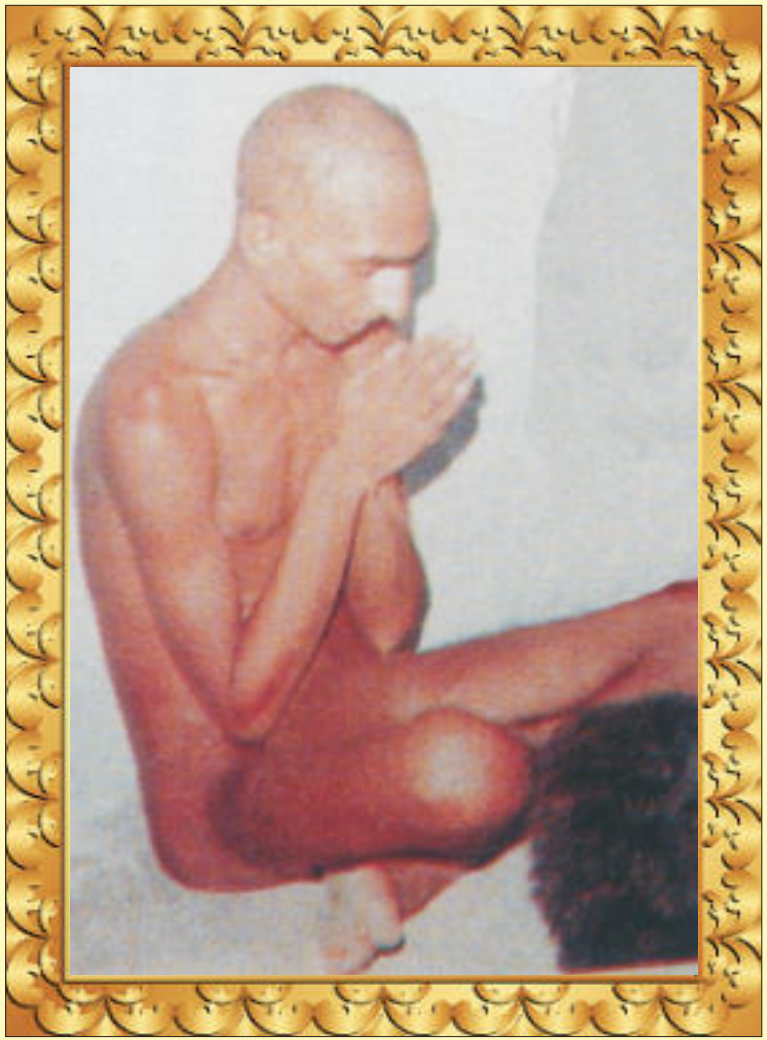

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ संयमसागर जी महाराज

कोई हस के मरा दुनिया में, कोई रो के मरा।
जिंदगी पाई मगर उसने जो कुछ हो के मरा।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ संयमसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. सतीश कुमार जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री पन्नालाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती सरस्वती देवी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री रमेशचंद २. श्री महेश ३. स्व. श्री कैलाशचंद ४. श्री संतोष ५. आपका क्रम ६. श्री अतीष ७. श्रीमती आशा ८. बा.ब्र. प्रभा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	वि.सं. २०१२, कटंगी, जिला-जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७६ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र, कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०२-११-१९७८ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०१-१९८० माघ कृष्ण ११ वि.सं. २०३६ सोमवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०८-१९८२, भाद्र शुक्ल ०२ शुक्रवार वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	१४ जून १९८४ मंगलवार ज्येष्ठ शुक्ल १४ वि.सं. २०४१ भेलपुर, वाराणसी (उ.प्र.)

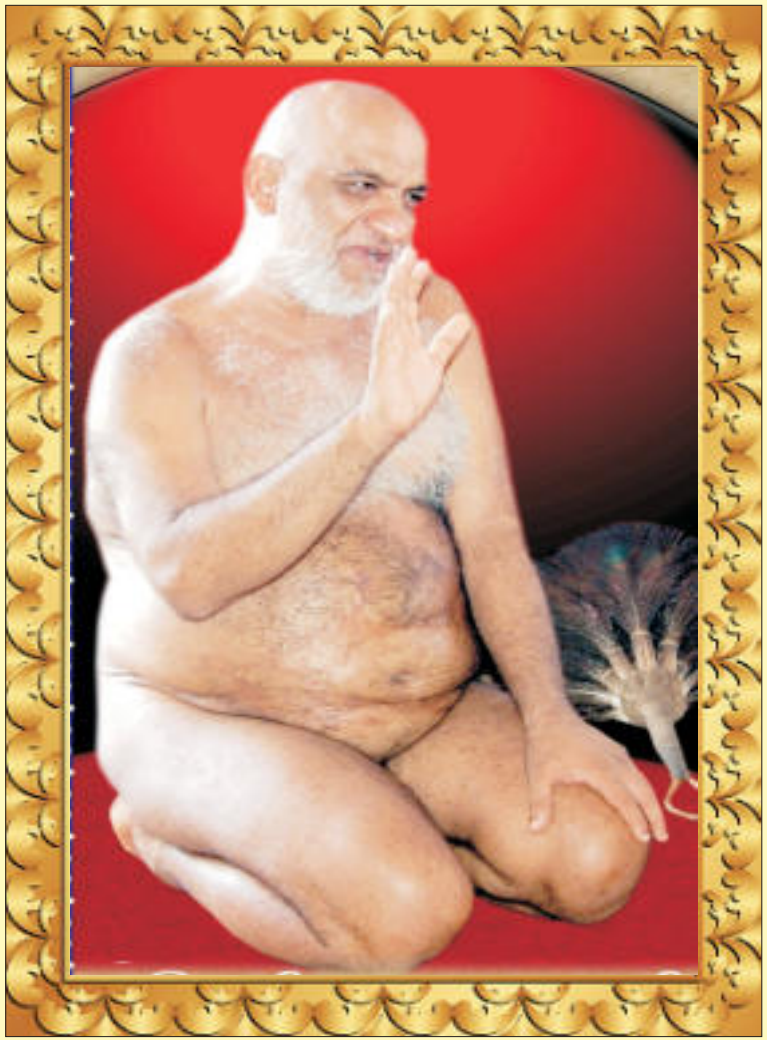

निर्यापक मुनि श्री १०८ सुधासागर जी महाराज

वह थकते हैं और चैन पाती है दुनिया।
कमाते हैं , वह और खाती है दुनिया ।।

निर्यापक मुनि श्री १०८ सुधासागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. जयकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री रूपचंद जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती शांतिदेवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री ऋषभ जी २. आपका क्रम ३. श्री ज्ञानचंद जी ४. श्रीमती निरंजना जी ५. श्रीमती कंचनमाला जी
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२१-०८-१९५८, श्रावण शुक्ल सप्तमी (मोक्ष सप्तमी) अथवा (अगहन कृष्ण द्वितीया)
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०१५, ईशुरवारा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी. कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-१०-१९७८, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी, छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०१-१९८०, गुरुवार, माघ कृष्ण ०८, वि.सं. २०३६, श्री सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी, छतरपुर (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०४-१९८२, गुरुवार, वैशाख कृष्ण ७ वि.सं. २०३९ मोरा जी सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३, रविवार, आश्विन कृष्ण तृतीया वि.सं. २०४०, ईसरी बाजार, जिला-गिरिडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक पद प्राप्ति तिथि	:	१४-०७-२०१९, आषाढ़ शुक्ल १३, रविवार वी.नि. सं. २५४५ वि.सं. २०७६ श्री दिग. जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर, तहसील खातेगांव जिला देवास (म.प्र.)
निर्यापक पद घोषणाकर्ता	:	बा.ब्र. संघनायक आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	क्षुल्लक अवस्था एवं एलक अवस्था में आपका नाम परमसागर जी महाराज था। मुनि दीक्षा के बाद आपका नामम ुनिश्र ीस ुधासागरज ीह ोग या।अ ापनेअ नेक पंचकल्याणक, मंदिरों का जीर्णोद्धार आदि कार्य कराये हैं। आपकी प्रवचन शैली सभी को लाभकारी होती है आपके मार्गदर्शन में बहुत से ग्रंथों का प्रकाशन हुआ हैं।

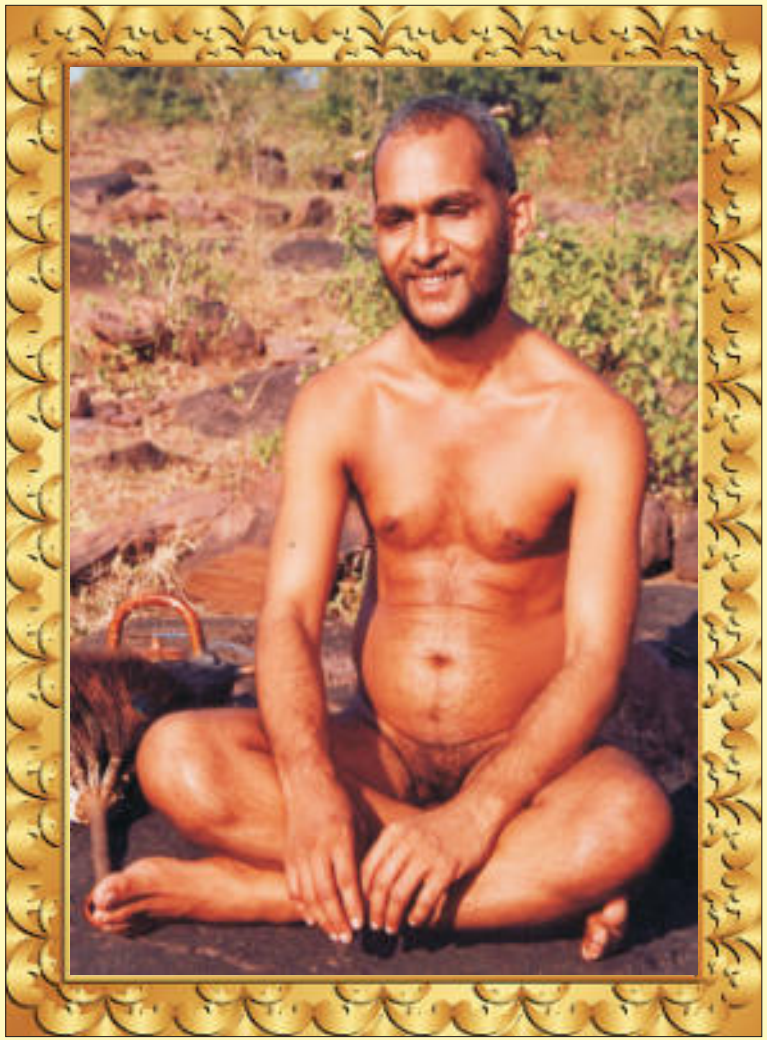

मुनि श्री १०८ समतासागर जी महाराज

तन मन की सब प्यास मिटाने, सागर भर जल पी डाला।
फिर भी प्यास शांत न हुई, धधक रही इच्छा ज्वाला॥

मुनि श्री १०८ समतासागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रवीणकुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री राजाराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चिरौंजा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेन्द्र कुमार जी २. श्रीमती माया २. आपका क्रम ४. बा.ब्र. ममता जी (वर्तमान में श्री संयम मति माता जी) ५. बा.ब्र. सुनीता जी (वर्तमान में श्री स्वभाव मति माता जी) ६. बा.ब्र. बबीता जी
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१३-०७-१९६२ शुक्रवार, आषाढ़ शुक्ल ११ वि.सं. २०१९, नन्हीं देवरी, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८० श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८३ गुरूवार, प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३ वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखर जी मधुवन, जिला-गिरडीह, (झारखंड)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३ रविवार, अश्विन कृष्ण तृतीया वि.सं. २०४० ईशरी बाजार, जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी एलक दीक्षा हुई थी। आपके गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका संयममति माता जी एवं स्वभावमति माता जी हैं, जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

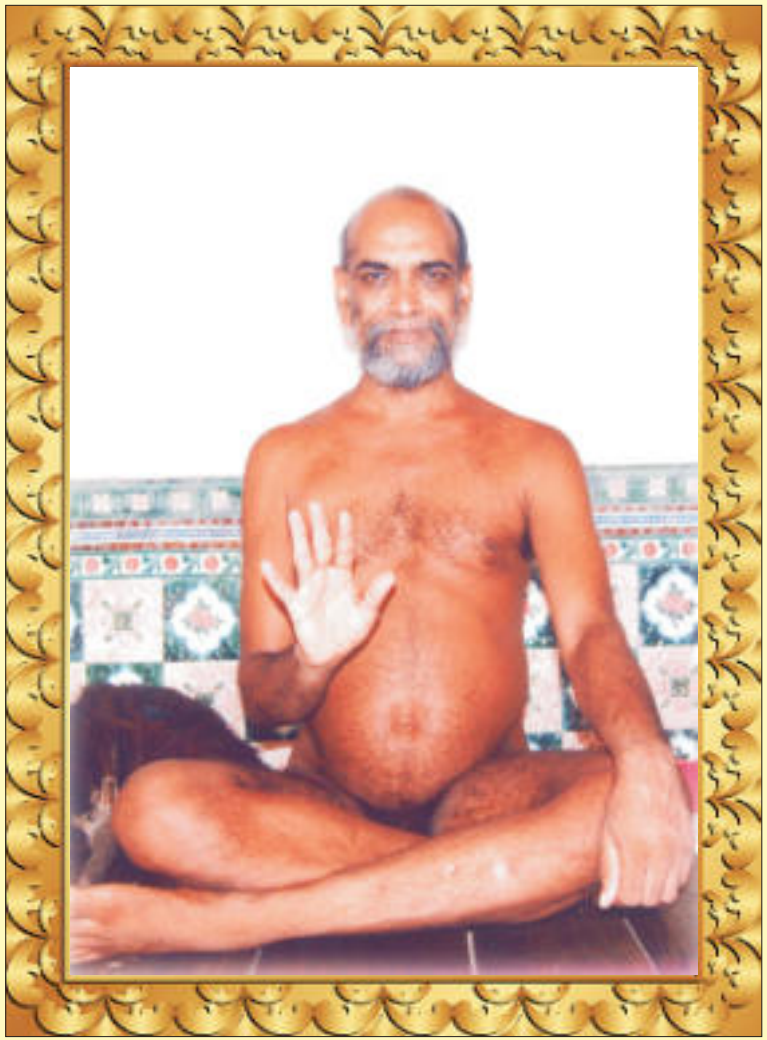

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ स्वभावसागर जी महाराज

अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में।
है जीत तुम्हारे हाथों में और हार तुम्हारे हाथों में॥

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ स्वभाव सागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. अशोक कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री फूलचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुलाबरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती चंपा २. श्री मना ३. श्री कंछेदीलाल ४. श्रीमती मीना ५. श्री भागचंद ६. आपका क्रम ७. श्री प्रकाशचंद्र ८.श्री महेन्द्र ९.श्रीमती सहोदरा १०. श्री विजय ११. श्रीमती सविता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	११-०७-१९५७, बुधवार, आषाढ़ शुक्ल १५
दिन/ स्थान	:	वि.सं. २०१४] नन्हीं देवरी (नाहरमऊ) जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.एस.सी. (अपराध शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१७-०६-१९८०, सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	
ऐलक दीक्षा	:	१०-०२-१९८३ गुरुवार, प्रथम फाल्गुन कृष्ण १३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०३९, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखर ती मधुवन, जिला-गिरडीह, (झारखंड)
मुनि दीक्षा	:	२५-०९-१९८३, रविवार आश्विन कृष्ण तृतीया
तिथि/स्थान		वि.सं. २०४० ईसरी बाजार जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य गुरु विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी एलक दीक्षा हुई थी।
समाधि	:	११-०८-२०१७ शुक्रवार, भाद्रपद कृष्ण 4 वि.सं. २०७४ मालथौन जिला-सागर (म.प्र.)

मुनि श्री १०८ सरलसागर जी महाराज

इन्द्रिय सुख ही अक्षय सुख है, ऐसा अब तक माना था।
इन्द्रियों के वश होकर के निज को नहिं पहिचाना था॥

मुनि श्री १०८ सरलसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. महेन्द्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री श्रीमती सुशीला बाई २. स्व. श्रीमती सुगंधी बाई ३. श्री कैलाश चंद्र ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-१०-१९५७, कार्तिक कृष्ण १२, वि.सं. २०१४ शहपुरा (भिटौनी) नीमखेड़ा जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९७६ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी जिला छतरपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०१-१९८० शुक्रवार माघ कृष्ण ८ वि.सं. २०३६ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, नैनागिरी जी, जिला छतरपुर (म.प्र.)
ऐलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०२-१९८२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बीना बारहा जी, जिला-सागर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०९-१९८३, अश्विन कृष्ण ०३, रविवार वि.सं. २०४० ईसरी बाजार, जिला-गिरडीह (झारखंड)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	क्षुल्लक अवस्था एवं एलक अवस्था में आपका नाम भावसागर जी महाराज था।

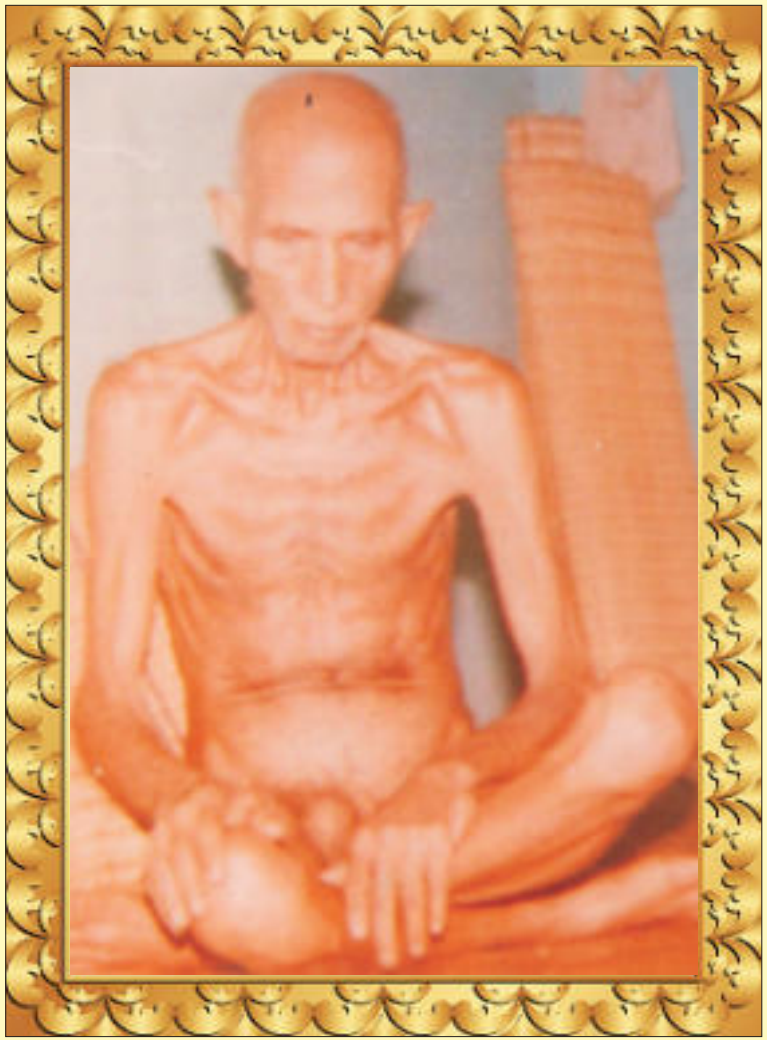

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ वैराग्यसागर जी महाराज

गुरू ज्ञानी गुरू पारखी, गुरू उदार गंभीर।
रहस्य उद्घाटक गुरू, गुरू प्रभु की तस्वीर।।

समाधिस्थ मुनि श्री 108 वैराग्यसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	श्री बदामीलाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री मंगलजीत जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती मिश्री बाई जी
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१.
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१९०३ सिरौंज, जिला-विदिशा (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०७-१९८५ आषाढ़ शुक्ला १४ सोमवार वि.सं. २०४२ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि दिनांक/दिन	:	०९-०९-१९८५ भाद्रपद कृष्ण दशमी वि.सं. २०४२ सायं ५:५० बजे
तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
विशेष	:	आप २८ जून १९८५ को आये ३० जून १९८५ को निवेदन किया १ जुलाई १९८५ चातुर्मास स्थापना के दिन आचार्य श्री के द्वारा मुनि दीक्षा दी गयी संलेखना विधि प्रारंभ २९ जुलाई १९८५ को अन्न त्याग, ७ अगस्त १९८५ लौकी पानी का त्याग, ९ सितम्बर १९८५ को मठा एवं जल के त्याग पूर्वक ८२ वर्ष की आयु में आपकी समाधि हुई।

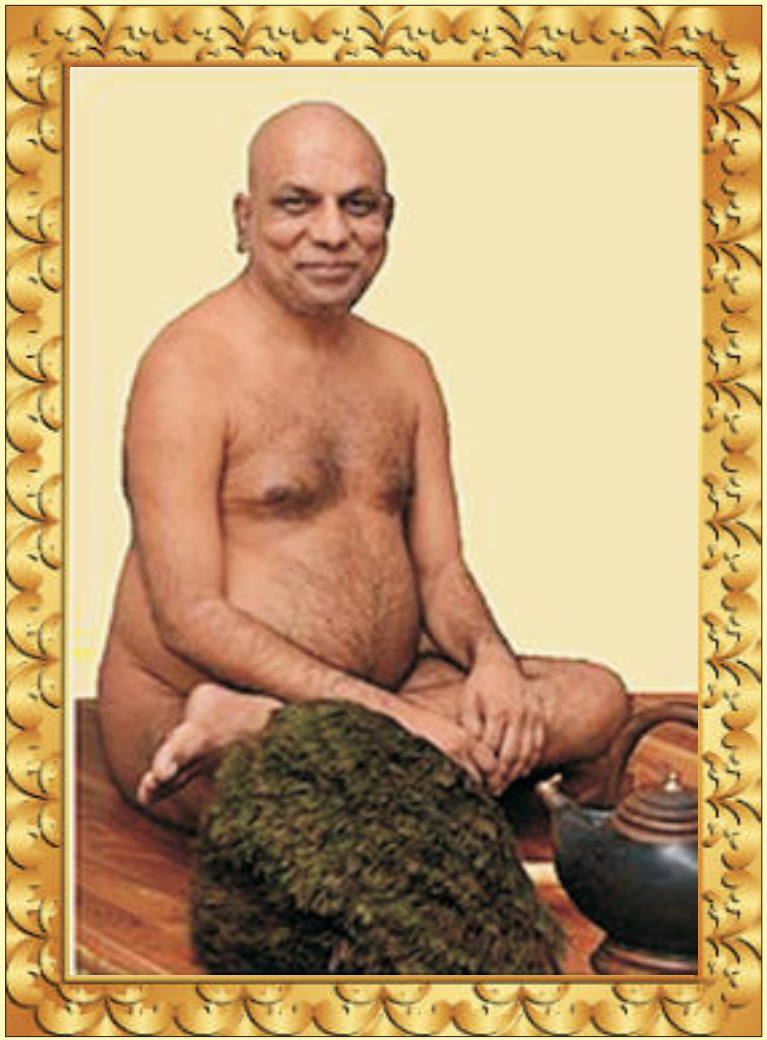

मुनि श्री १०८ प्रमाणसागर जी महाराज

जब साहित्य पढ़ो तक पहले पढ़ो ग्रंथ प्राचीन।
पढ़ना हो विज्ञान अगर तो पोथी पढ़ो नवीन ।।

मुनि श्री १०८ प्रमाणसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. नवीन कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री सुरेन्द्र कुमार जी जैन (सेठी)
माता का नाम	:	श्रीमती सोहनी देवी जी जैन (सेठी)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अनिल २. आपका क्रम ३. श्री अरविंद ४. श्रीमती नीता
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२७-०७-१९६७,सोमवार, आषाढ़ कृष्णा ०५ वि.सं. २०२४, हजारीबाग (झारखंड)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	इन्टरमीडिएट
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०३-१९८४, राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०८-११-१९८५ कार्तिक कृष्णा १० शुक्रवार वि.सं. २०४२, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-०७-१९८७, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४४, शुक्रवार, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी जिला-गुना (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, गुरुवार, चैत्र शुक्ल १३ वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपअ ग्रिमप ंक्तिके स ाधुह ैअ ापकीप्र वचन शैली प्रभावक है आपने जैन तत्त्वविद्या जैसे ग्रन्थों के लेखन का कार्य किया है अनेक प्रभावक कार्य किये हैं।

मुनि श्री १०८ मार्दवसागर जी महाराज

हमने गुरू दर पे लुटा दी है, सब तमन्नाएँ।
लोग कहते हैं कि ये खुद को मिटा बैठे है।।

मुनि श्री १०८ मार्दवसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. वीरेन्द्र कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी सिंघई (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती शीलारानी जी सिंधई (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुरेश २. श्री पं. लक्ष्मीचंद ३. श्री सुभाषचंद ४. श्री राजकुमार ५. श्री महेन्द्र ६. आपका क्रम ७. श्री प्रेमचंद ८. ब्र. राजेन्द्र ९. श्रीमती कमला बाई
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	२४-०६-१९६२ बुधवार, आषाढ़ कृष्ण ३ वि.सं. २०१९ पठा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	पाँचवीं संस्कृत (माध्यम) शास्त्री
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०४-०३-१९८५ महावीर जयंती पर खुरई जिला-सागर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०८-११-१९८५, कार्तिक कृष्ण १३, शुक्रवार वि.सं. २०४२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र अहार जी, जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
ऐलक दीक्षा	:	१०-०७-१९८७, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४४, शुक्रवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी जिला-गुना (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

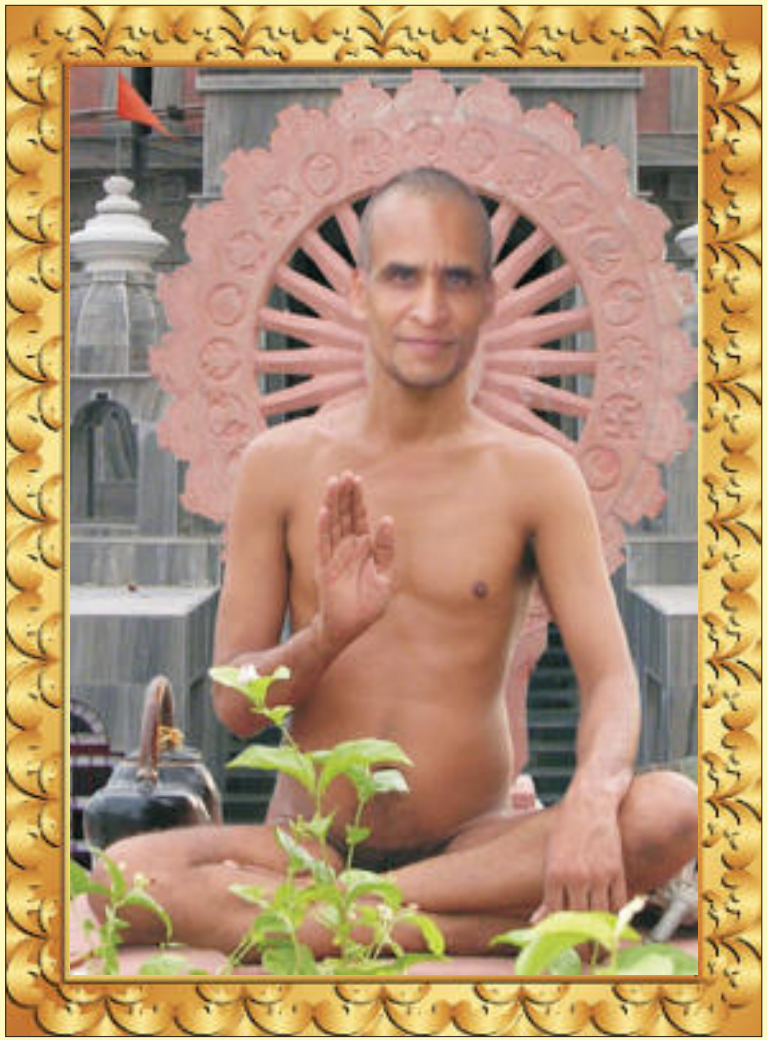

मुनि श्री १०८ पवित्रसागर जी महाराज

यही हमारी श्रमण संस्कृति भारत की पूँजी है।
सत्य, अहिंसा परमोधर्मः ध्वनि जहाँ गूँजी है।।

मुनि श्री १०८ पवित्रसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. कमलेश कुमार जी जैन (दानपति)
पिता का नाम	:	श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन (दानपति)
माता का नाम	:	श्रीमती कुसुम देवी जी जैन (दानपति)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री के.के. जैन ३. श्री अभय कुमार ४. श्रीमती पद्मा ५. श्री भूपेन्द्र ६. श्रीमती अंजना ७. श्री रूपेन्द्र ८. श्रीमती वंदना ९. श्री हेमन्त १०. श्रीमती श्रृद्धा ११. श्री विक्रांत
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	३१-०१-१९६१ माघ शुक्ल १५ पूर्णिमा मंगलवार वि.सं. 2017, जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८४ श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जिला-जबलपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ल १२ मंगलवार वि.सं.२०४४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी जिला-दतिया (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी एलक दीक्षा नहीं हुई थी।

मुनि श्री १०८ उत्तमसागर जी महाराज

रहती नहीं जहाँ आशाएँ अभिलाषा।
सत्यं, शिवम्, सुंदरम् का यह अद्भुत संगम।।

मुनि श्री १०८ उत्तमसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. श्रीपाल जी जैन
पिता का नाम	:	श्री बाला साहेब जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती हौसा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुशीला २. श्रीमती राजमति ३. श्री भूपाल ४. श्री कलल्पपा ५. श्री अक्का ताई ६. श्री सागर ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०१-०६-१९६० बुधवार, ज्येष्ठ शुक्ल ७ वि.सं. २०१७, अब्दुल्ला लाट, जिला-कोल्हापुर (महा.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१५-०५-१९८४ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सम्मेद शिखर जी में स्वयं
क्षुल्लक दीक्षा	:	१०-०२-१९८७ माघ शुक्ला १२, मंगलवार वि.सं. २०४४, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरी जी जिला-छतरपुर (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३, गुरुवार, वि.सं.२०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी एलक दीक्षा नहीं हुई थी। आपने अनेक पूजन, कवितायें आदि की रचना की हैं।

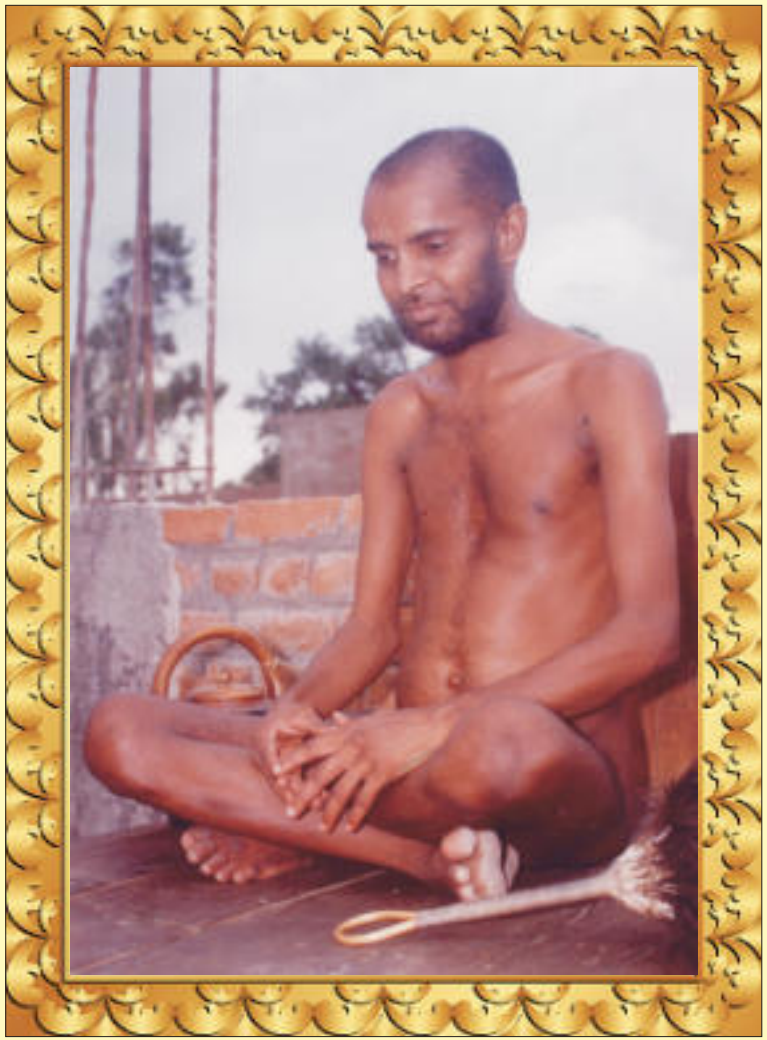

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ चिन्मयसागर जी महाराज

निज आतमा को साधते हैं, ज्ञान दर्शन चरित्र से।
वे साधु गिरने से बचाते, थामते व्रत त्वरित से॥

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ चिन्मयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. धर्णेन्द्र जी जैन (भोले)
पिता का नाम	:	स्व. श्री अण्णाप्पा जी जैन (भोले)
माता का नाम	:	श्रीमती हीरादेवी जी जैन (भोले)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री जितेन्द्र ३. सरस्वती ४. पद्मावती
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०६-०८-१९६१, आषाढ़ कृष्ण ११, रविवार वि.सं. २०१८ गणेशवाड़ी, जिला-कोल्हापुर (महा.) बाद में निवास जूगुल, तह.-अथणी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंथलगिरी जी जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र) स्वयं श्री जी के सामने
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी।
समाधि	:	१८-१०-२०१९, आश्विन शुक्ल ५, शुक्रवार वि.सं. २०२६ जूगुल, तह.-अथणी, जिला-बेलगाँव (कर्नाटक)

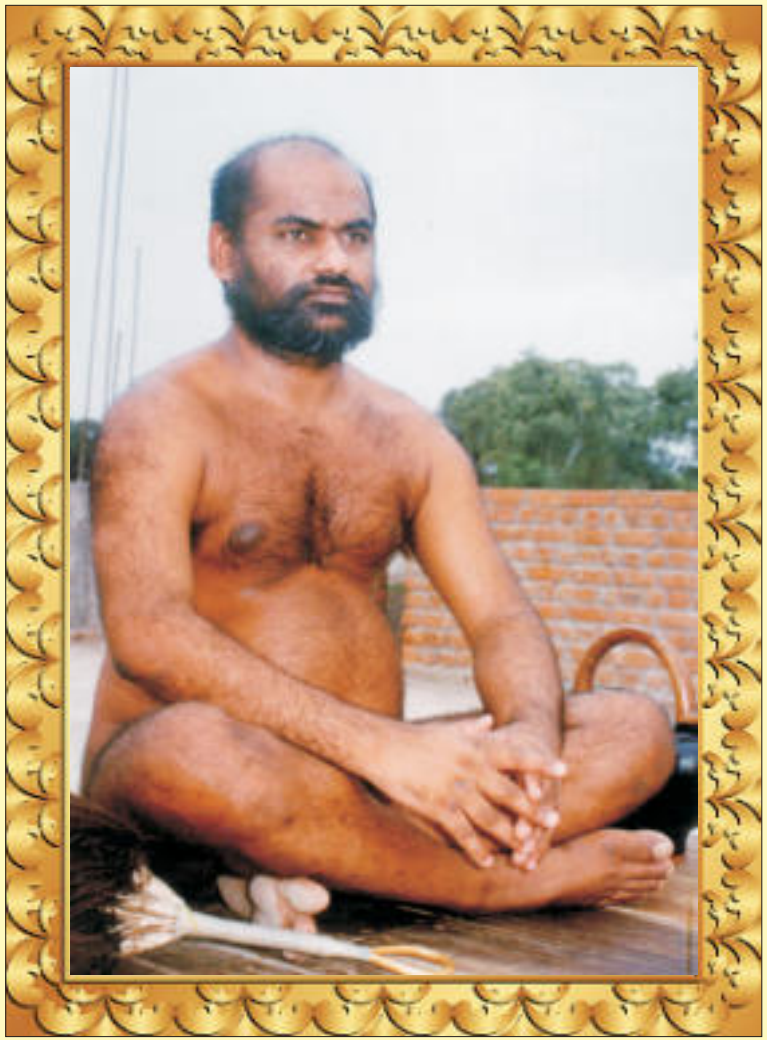

मुनि श्री १०८ पावनसागर जी महाराज

नहीं अतिथि की तिथि हैं, निश्चित कल का कुछ भी पता नहीं।
आज यहाँ हैं, कल वहाँ हैं, कोई सकता बता नहीं।।

मुनि श्री १०८ पावनसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. जयपाल जी जैन (खोते)
पिता का नाम	:	श्री परिप्पा जी जैन (खोते)
माता का नाम	:	श्रीमती शाला ताई जैन (खोते)
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री भारत २. श्रीमती माणिक
(जन्म के क्रम से)		२. ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०८-१९६६, द्वितीय श्रावण कृष्णा 12
दिन/ स्थान/समय		शनिवार वि.सं. २०२३ कानड वाड़ी
		(साँगली) (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१५-१०-१९८४ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुंथलगिरी जी जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)
मुनि दीक्षा	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०४५ (महावीर जयंती)
		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी
		जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी।

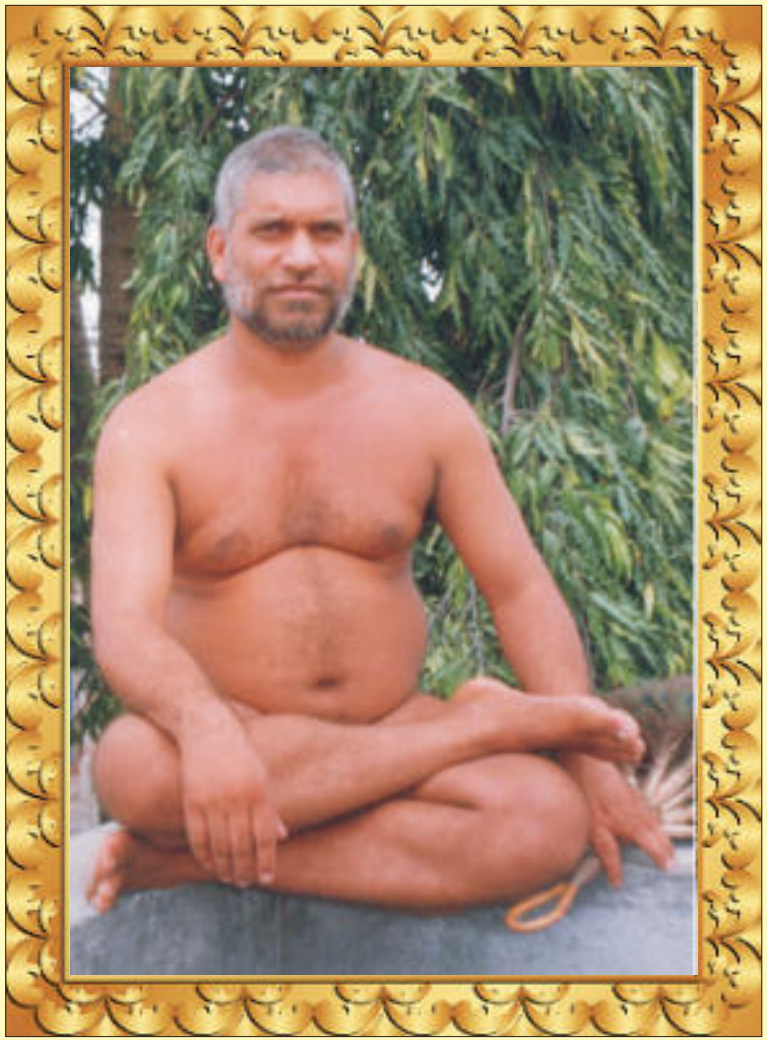

मुनि श्री १०८ सुखसागर जी महाराज

संसार के सब सहारे जब छूट जाते हैं।
तब संत चरण ही काम आते हैं।।

मुनि श्री १०८ सुखसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रमोद कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	श्री ताराचंद जी नायक (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती विमला देवी नायक (जैन)
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती प्रभा देवी २. श्रीमती शशि
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्रीमती अनीता
		५. श्रीमती सविता ६.श्री प्रवीण जी
		७. श्री संजीव जी ८. श्री राजीव जी
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२०-०१-१९६३, रविवार माघ कृष्ण १० वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०१९, मुंगावली, जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. फायनल
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८३ में क्षुल्लक श्री सन्मतिसागर जी से
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		गृह त्याग 1987 में
मुनि दीक्षा	:	३१-०३-१९८८, चैत्र शुक्ल १३ गुरूवार वि.सं.
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		२०४५ (महावीर जयंती) श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी जिला-दतिया (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी सीधी मुनि दीक्षा हुई थी।

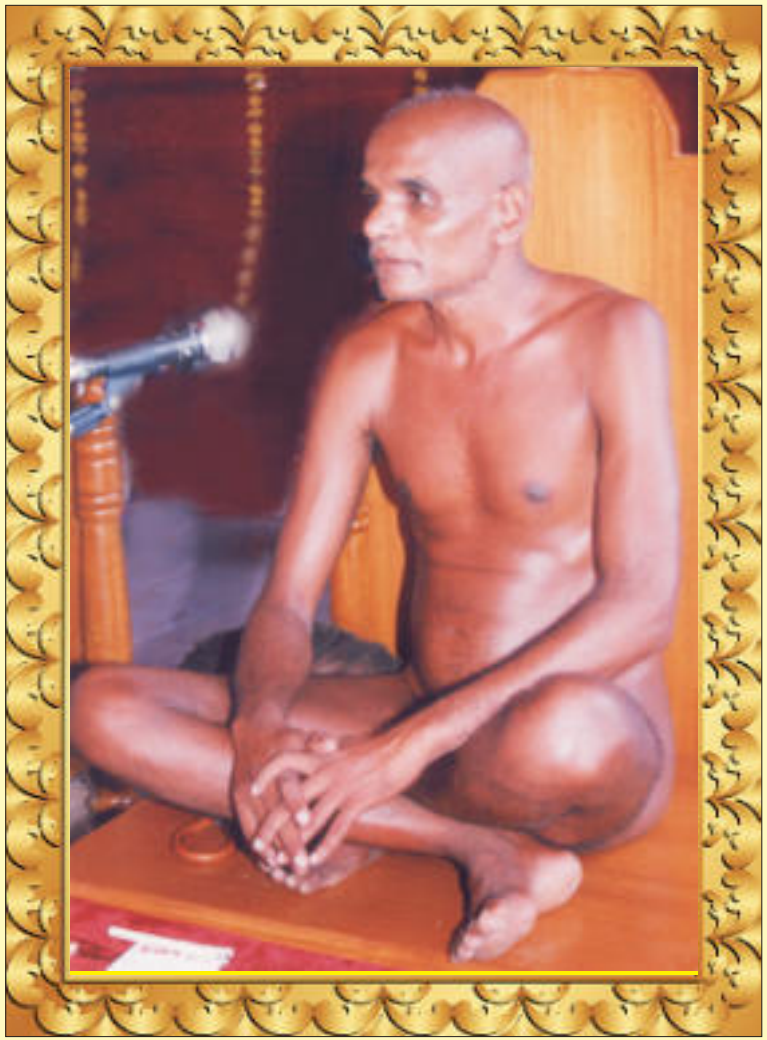

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ अपूर्वसागर जी महाराज

जीवन के हर मोड़ पर आशा और निराशा है।
मिलकर के बिछुड़ना, यही जीवन की परिभाषा है।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ अपूर्वसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	**बा.ब्र. महावीर जी पाटिल (जैन)**
पिता का नाम	:	श्री नेमगोंडा जी पटिल (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला देवी जी पाटिल (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री अनिल २. श्री चंद्रकांत ३. श्रीमती लीलावती ४. श्रीमती जय श्री
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२१-०४-१९५९ मंगलवार धामनी, समडोली, जिला-सांगली (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हाईस्कूल
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरि जी जिला-उस्मानाबाद (महाराष्ट्र)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०५-१९९१ वैशाख शुक्ल ०३, गुरूवार, वि.सं. २०४८ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
ऐलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२५-०७-१९९१ आषाढ़ शुक्ल १४, गुरुवार वि.सं. २०४८ श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२० अक्टूबर २००५, गुरूवार, तृतीया समडोला, जिला अंजली (महाराष्ट्र)

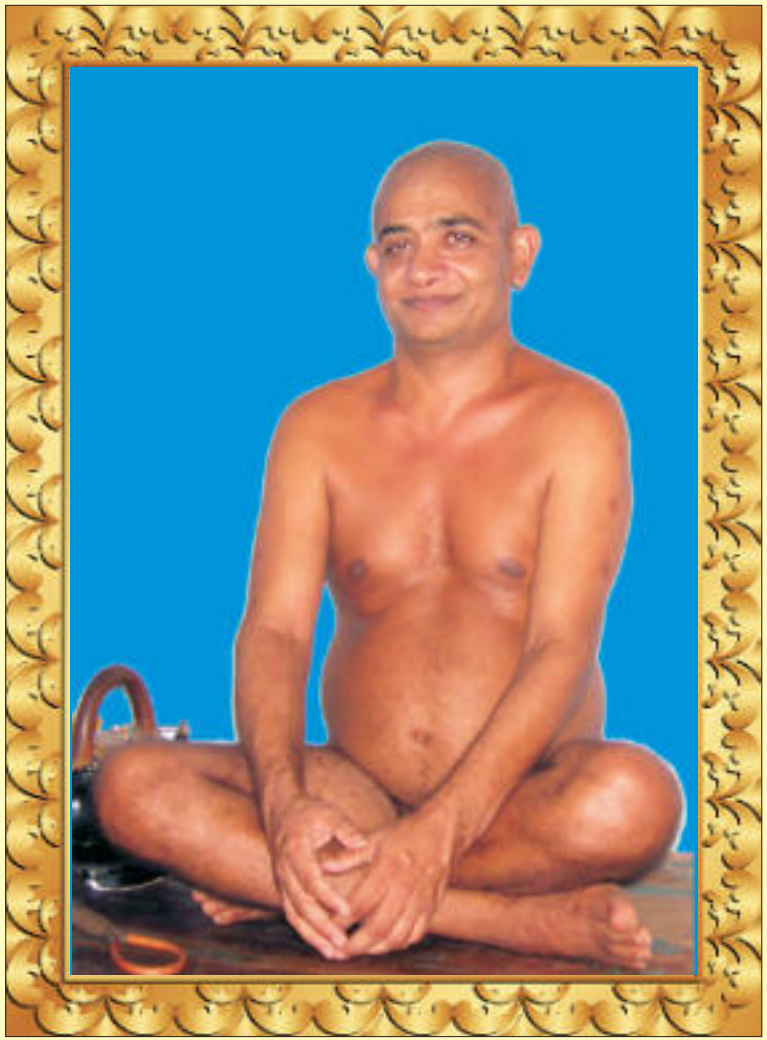

मुनि श्री १०८ प्रशांतसागर जी महाराज

जागन लाल वहीं है सुखिया जो इच्छा का त्यागी।
राग-द्वेष तज सकल परिग्रह भये परम अनुरागी।।

मुनि श्री १०८ प्रशांतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. राजेश जी जैन
पिता का नाम	:	समाधिस्थ श्री देवचंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुशीला रानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती मालती २. श्री विनोद ३. श्री अनिल ४. आपका क्रम ५. श्रीमती मंजू ६. श्रीमती मणी ७. श्रीमती रश्मि
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०३-०१-१९६१ मंगलवार, माघ कृष्ण द्वितीय वि.सं. २०१७ गोटेगाँव, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०२-१९८९, गोटेगाँव, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	१६-०५-१९९१, वैशाख शुक्ल ०३ गुरूवार वि.सं. २०४८ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
एलक दीक्षा	:	२५-०७-१९९१, आषाढ़ शुक्ल १४ वि.सं. २०४८, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, अश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपने जिन सरस्वती, सूर्योदय, कथोदय आदि ग्रन्थों का संकलन, संपादन किया हैं। पाठशालाओं का भी शुभारंभ करवाया हैं। अनेकों पंचकल्याणक, अनुष्ठान प्रभावक कार्य हुए हैं आपके सान्निध्य में।

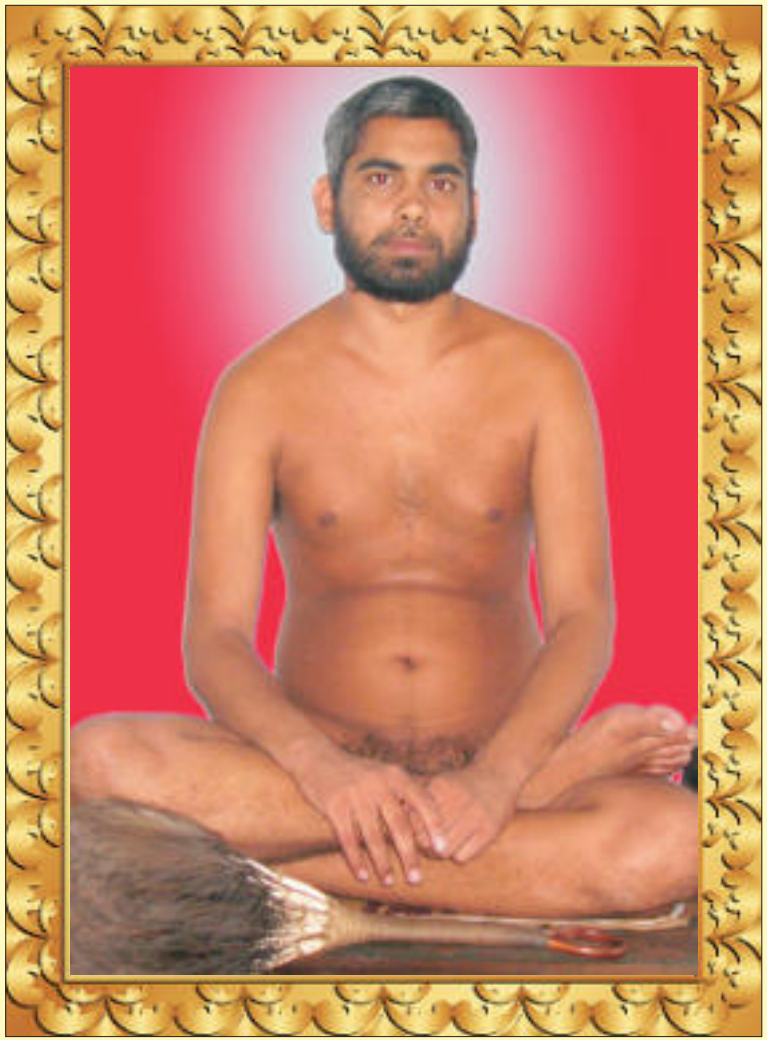

मुनि श्री १०८ निर्वेगसागर जी महाराज

सजदे के सिलसिले में फिरदौस मुझे मंजूर नहीं।
वैलौस बंदा हूँ कोई मजदूर नहीं।।

मुनि श्री १०८ निर्वेगसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. दिलीप कुमार जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बंशीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमलाबाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती सुनीता २. श्रीमती अनीता ३. श्रीमती विनीता ४. श्रीमती बवीता ५. श्री दीपक ६. आपका क्रम ७. बा.ब्र. श्वेता दीदी (वर्तमान में आ. श्री संतुष्टमति जी)
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	१०-१२-१९७३,पौष शुक्ल ११, गुरुवार, वि.सं. २०३०, छिंदवाडा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०१-०७-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र (प्रथम बार १९८९ में) कुण्डलपुर, जिला-दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९९५, आश्विन शुक्ल १४ शनिवार वि.सं.२०५२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
ऐलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ बुधवार, वि.सं. २०५३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपकी गृहस्थ जीवन की बहिन आर्यिका श्री संतुष्ट मति माता जी आपके ही गुरू द्वारा दीक्षित हैं। (आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी संघ में है)

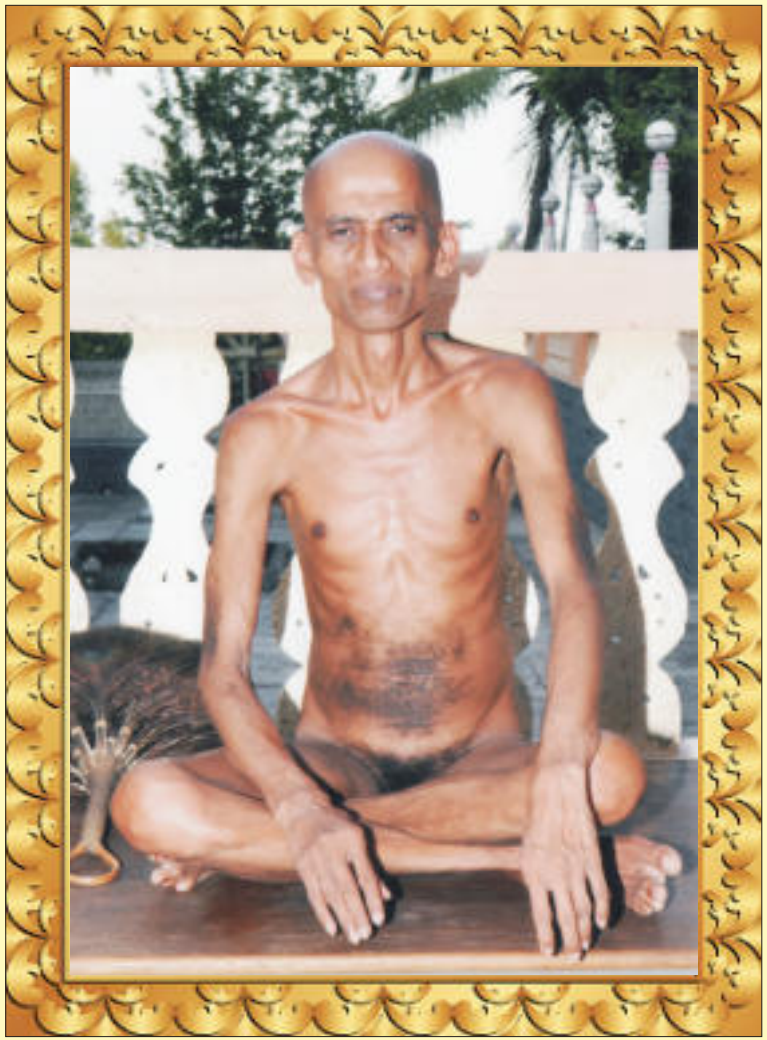

मुनि श्री १०८ विनीतसागर जी महाराज

जिन धर्म को जिसने धरा वह, उठा संसार से।
शाश्वत् सुखी हो मुक्ति पायी, सर्वथा दुख क्षार से॥

मुनि श्री १०८ विनीतसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. कुलभूषण जी बारे (जैन)
पिता का नाम	:	श्री गणपत राव जी बारे (जैन)
माता का नाम	:	श्रीमती फूला बाई जी बारे (जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री देशभूषण २. श्री सकल भूषण ३. श्री वीर भूषण ४. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०९-०२-१९६१, फाल्गुन कृष्ण ८ वि.सं. २०१७ महातपुर, जिला-सोलापुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१४-०९-१९८०, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला-बैतूल (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९८५, आश्विन शुक्ल १४ शनिवार वि.सं. २०५२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं.२०५३ बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ (शरदपूर्णिमा) गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

मुनि श्री १०८ निर्णयसागर जी महाराज

सूरज से कीरत बड़ी, बिना पंख उड़ जाये।
सूरत तो जल जात है, कीरत यहाँ रह जाये।।

मुनि श्री १०८ निर्णयसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. रंजन कुमार जी 'निरंजन'
पिता का नाम	:	स्व. श्री निर्मल कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती स्वर्णलता जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमती निशा २. श्री भूपेन्द्र ३. श्री सुनील ४. आपका क्रम ५. श्रीमती कल्पना
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१२-०९-१९६९ शुक्रवार, भाद्र शुक्ल-१ वि.सं. २०२६, मुरारिया (सिरोंज) जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम. कॉम. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-०१-१९९०, सिरोंज (पंचकल्याणक के बाद)
क्षुल्लक दीक्षा	:	०७-१०-१९९५, अश्विन शुक्ल १४ शनिवार वि.सं. २०५२, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला-दमोह (म.प्र.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं. २०५३ बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, अश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५१ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
विशेष	:	आपके सानिध्य में अनेक पंचकल्याणक, विधान, मंदिर शिलान्यास, वेदी प्रतिष्ठा, शिविर, पाठशाला के प्रभावक कार्य हुए एवं संस्कृत में लेखन कार्य हुये हैं।

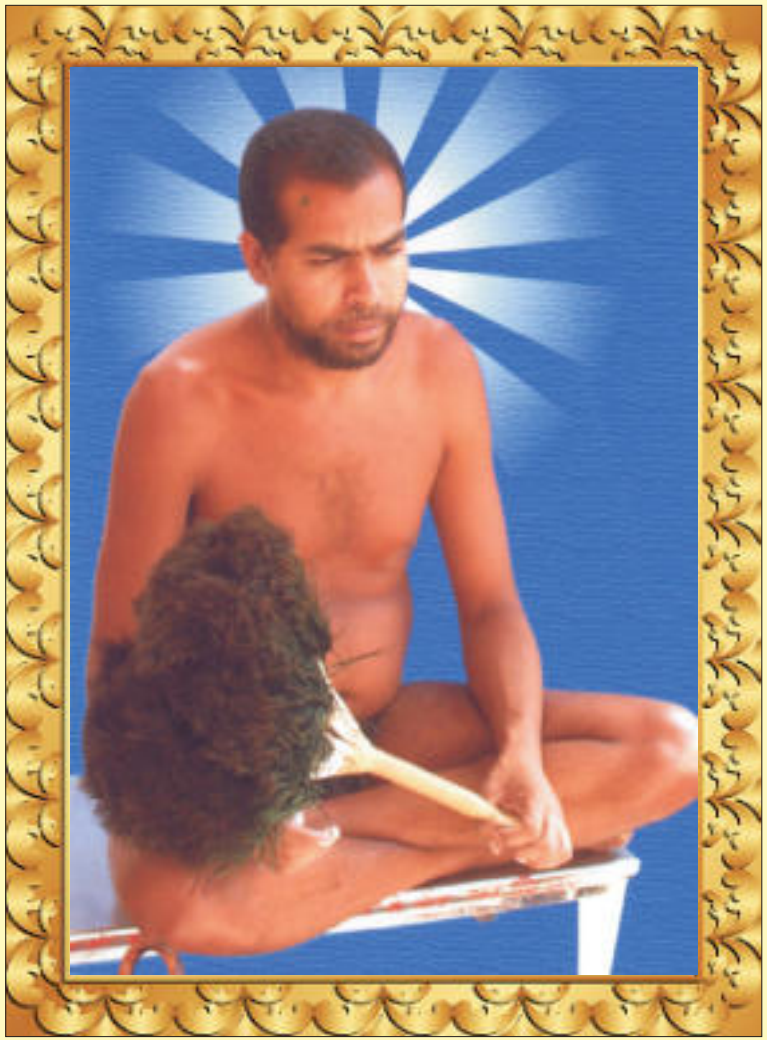

मुनि श्री १०८ प्रवुद्धसागर जी महाराज

वह चाल चल कि उम्र खुशी से कटे तेरी।
वह काम कर कि याद सबको रहे तेरी।।

मुनि श्री १०८ प्रवुद्धसागर जी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. प्रदीप कुमार जी जैन 'विद्यार्थी'
पिता का नाम	:	श्री प्रबोध कुमार जी जैन 'विद्यार्थी'
माता का नाम	:	श्रीमती श्रीबाई जी जैन 'विद्यार्थी'
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री सुधेश २. श्री राजकुमार ३. श्री मुकेश ४. श्री पंकज ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-११-१९६९ गुरुवार, कार्तिक शुक्ल ४, वि.सं. २०२६
दिन/ स्थान/समय	:	जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.एस.सी. (गणित)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०९-१०-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा	:	२०-०४-१९९६, वैशाख शुक्ल ०३ शनिवार वि.सं. २०५३ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसाणा (गुजरात)
ऐलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२१-०८-१९९६, श्रावण शुक्ल ७ वि.सं. २०५३ बुधवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआ जी जिला-सूरत (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुक्ल १५ गुरूवार (शरद पूर्णिमा) वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावरजी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ प्रवचनसागर जी महाराज

ये जमाना तो मेरा हो न सका, मुद्दत से।
हम ही अब दूर जमाने से चले जाते हैं।।

समाधिस्थ मुनि श्री १०८ प्रवचनसागरजी महाराज

पूर्व का नाम	:	बा.ब्र. चन्द्रशेखर जी जैन
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती फूलरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्री विपद २. स्व. श्री अरविंद ३. श्रीमती सुषमा ४. श्री सतीश ५. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/दिन/ स्थान/समय	:	२९-१०-१९६०कार्तिक शुक्ल १२, मंगलवार वि.सं. २०१७ बेगमगंज जिला-रायसेन (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२९ अक्टूबर १९८७, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र थूवौन जी, गुना (म.प्र.)
क्षुल्लक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	२०-०४-१९९६ वैशाख शुक्ला ०३ शनिवार वि.सं.२०५३ (अक्षय तृतीया), श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तारंगा जी जिला-महेसागणा (गुज.)
एलक दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९-१२-१९९६ मार्ग शीर्ष १० वि.सं. २०५३, गुरूवार श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनार जी जिला-जूनागढ़ (गुजरात)
मुनि दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, आश्विन शुकला १५ गुरूवार वि.सं. २०५४ श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
समाधि	:	२९ नवम्बर २००३, शनिवार, दिन ११:२० बजे मगसिर शुक्ल ६, कटनी (म.प्र.)
विशेष	:	आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री निर्मद सागर जी आपके दीक्षा गुरू से दीक्षित हुये है।